NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
लखनऊ से प्रकाशित
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 14 अंक: 82 लखनऊ, गुरुवार 07 नवंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

आतंकियों का होगा जड़ से सफाया! आतंकवाद विरोधी सम्मेलन को संबोधित करेंगे अमित शाह

एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार को में आतंकवाद विरोधी सम्मेलन–2024श के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), गृह मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर इसे जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में वार्षिक सम्मेलन परिचालन बलों के लिए एक

बैठक बिंदु के रूप में उभरा है य राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों और आतंकवाद से उत्पन्न होने वाले खतरों पर विचार–विमर्श के लिए आतंकवाद से निपटने में लगे तकनीकी, कानूनी और फोरेंसिक विशेषज्ञ और एजेंसियां। सम्मेलन का मुख्य फोकस श्संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण की भावना में आतंकवाद के खतरे के खिलाफ समन्वित कार्रवाई के लिए चौनल स्थापित करके विभिन्न हितधारकों के बीच तालमेल विकसित करना और भविष्य की नीति निर्माण के लिए ठोस इनपुट प्रस्तुत करना है। दो दिवसीय सम्मेलन में विचार–विमर्श और विचार–विमर्श आतंकवाद विरोधी जांच में अभियोजन और कानूनी ढांचे को विकसित करने, अनुभवों और अच्छी प्रथाओं को साझा करने, उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित चुनौतियों और अवसरों, अंतरराष्ट्रीय कानूनी सहयोग और रणनीतियों सहित महत्व के विभिन्न मामलों पर केंद्रित होगा। भारत भर में विभिन्न आतंकवाद विरोधी थिएटरों में आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने के लिए।सम्मेलन में राज्यों ध केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, आतंकवाद से निपटने से संबंधित मुद्दों से निपटने वाली केंद्रीय एजेंसियों धविभागों के अधिकारी और कानून, फोरेंसिक, प्रौद्योगिकी आदि जैसे संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। पिछले साल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य पुलिस बलों और आतंकवाद विरोधी एजेंसियों से ऐसा ष्क्रूरष् दृष्टिकोण अपनाने को कहा था ताकि कोई नया आतंकवादी समूह न बन सके।

एक हैं तो सेफ हैं... बंटोगे तो कटोगे के बाद सीएम योगी का नया नारा, महाराष्ट्रा में एमवीए को बताया महाअनाड़ी गठबंधन

संवाददाता।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज महाराष्ट्र में चुनावी प्रचार के लिए पहुंचे थे। इस दौरान वाशिम विधान सभा क्षेत्र में उन्होंने भाजपा के लिए प्रचार किया। योगी ने विपक्ष पर जमकर वार किया। योगी ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा की विजय गाथा लिखने जा रहा है। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये महाअघाड़ी नहीं, महाअनाड़ी गठबंधन है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या कांग्रेस ने कभी ईमानदारी से भारत और भारतीयता के बारे में सोचा? योगी ने साफ तौर पर कहा कि सत्ताएं तो आएंगी–जाएंगी। लेकिन हमारा भारत रहना चाहिए और भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनना चाहिए। उन्होंने लोगों से

अपील की कि बंटिए मत! क्योंकि जब भी बंटे थे तो कटे थे। एक हैं तो नेक हैं, एक हैं तो सेफ हैं। वहीं, अमरावती में योगी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने उस कालखंड में जब औरंगजेब जैसा बर्बर आक्रांता भारत में शासन कर रहा था, तब उन्होंने उसकी सत्ता को चुनौती दी थी। उन्होंने आगे कहा कि मुझे याद है कि जब 2017 में मुझे उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया तब मैं आगरा गया था। आगरा में जब मैं निरीक्षण कर रहा था तो मुझे बताया गया कि वहां एक मुगल संग्राहलय बन रहा है। मैंने कहा कि मुगल का भारत और आगरा से क्या संबंध है? हमने कहा भारत का संबंध छत्रपति शिवाजी महाराज से है। इस म्यूजियम का नाम बदलो। यह संग्राहलय मराठा और छत्रपति शिवाजी महाराज का प्रतीक बनना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सब मिलकर चलें और देश को आगे बढ़ाने का संकल्प्प लें। ध्ध्यान रखें, बात सबकी सुननी है, लेकिन बंटना नहीं है।

मल्लिकार्जुन खड़गे का एक्शन, हिमाचल कांग्रेस की सभी इकाइयां भंग, गुटबाजी कम करने की भी कोशिश

एजेंसी।

कांग्रेस पार्टी ने राज्य में इकाइयों में संभावित फेरबदल के लिए अपने अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर बुधवार को हिमाचल प्रदेश में अपनी पूरी इकाई भंग कर दी। एक पत्र के

अनुसार, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पीसीसी की संपूर्ण राज्य इकाइयों, जिला अध्यक्षों और ब्लॉक कांग्रेस समितियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में उल्लेख किया गया है कि यह कदम तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इस कदम को पार्टी की हिमाचल इकाई के पुनर्गठन की कांग्रेस की योजना के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। पहाड़ी राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से पीसीसी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की निवर्तमान अध्यक्ष प्रतिभा सिंह पहले ही पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य बन चुकी हैं। सिंह, जो पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की पत्नी हैं, को 2022 में राज्य कांग्रेस प्रमुख नियुक्त किया गया था। हिमाचल कांग्रेस गुटबाजी से त्रस्त है, जो फरवरी में राज्यसभा चुनाव के दौरान देखी गई थी, जब सत्तारूढ़ कांग्रेस के उम्मीदवार अभिषेक सिंघवी कुछ कांग्रेस विधायकों के पाला बदलने और उनके पक्ष में क्रॉस वोटिंग करने के बाद भाजपा के हर्ष महाजन से चुनाव हार गए थे।

महाराष्ट्र पुलिस अधिकारी ने एक व्यक्ति को किया अवैध रूप से गिरफ्तार, HC ने 2 लाख का मुआवजा देने का दिया आदेश

एजेंसी।

27 जून, 2024 को हिंगोली के सिटी पुलिस स्टेशन में दायर एफआईआर को रद्द करने की याचिका के बाद जस्टिस विभा कंकनवाड़ी और एसजी चपलगांवकर ने मामले की सुनवाई की। एफआईआर में मानहानि का आरोप लगाया गया और धारा 66–ए (आपत्तिजनक सामग्री भेजना) और 66–बी का हवाला दिया गया। (चोरी हुए कंप्यूटर को अपने पास रखना) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत। हालाँकि, अदालत ने कहा कि धारा 66–ए को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक माना था, जबकि धारा 66–बी मामले के लिए अप्रासंगिक थी। बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने महाराष्ट्र के हिंगोली के एक जांच अधिकारी को एक व्यक्ति को अवैध रूप से गिरफ्तार करने के लिए 2 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। इसके अतिरिक्त, मामले में शिकायतकर्ता एक पुलिस कांस्टेबल को अपने अलग हो चुके बहनोई को 50,000 रुपये देने का निर्देश दिया गया है, जिसे गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लिया गया था। 27 जून, 2024 को हिंगोली के सिटी पुलिस स्टेशन में दायर एफआईआर को रद्द करने की याचिका के बाद जस्टिस विभा कंकनवाड़ी और एसजी चपलगांवकर ने मामले की सुनवाई की। एफआईआर में मानहानि का आरोप लगाया गया और धारा 66–ए (आपत्तिजनक सामग्री भेजना) और 66–बी का हवाला दिया गया। (चोरी हुए कंप्यूटर को अपने पास रखना) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत। हालाँकि, अदालत ने कहा कि धारा 66–ए को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक माना था, जबकि धारा 66–बी मामले के लिए अप्रासंगिक थी।याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी उसकी अलग रह रही पत्नी से जुड़े पारिवारिक विवाद से प्रभावित थी, जिसने पहले उसके खिलाफ वैवाहिक क्रूरता का मामला दर्ज किया था।

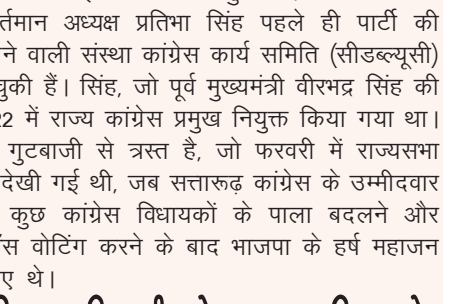

जनता की नजरों में कौन असली शिवसेना, जानिए क्या कहते हैं सियासी समीकरण

एजेंसी।

शिवसेना के विभाजन के बाद महाराष्ट्र में पहली बार हो रहे विधानसभा चुनाव में पार्टी के दोनों ही धड़ों के सामने खुद को श्असली शिवसेनाश साबित करने की चुनौती होगी। भले ही आयोग ने शिंदे गुट को असली शिवसेना बताया है, लेकिन यह जनता को तय करना है कि वह किसे असली शिवसेना मानती है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर जहां सभी राजनीतिक दल पूरे जोर–शोर के साथ चुनावी मैदान में उतरे हैं। तो वहीं शिवसेना के विभाजन के बाद महाराष्ट्र में पहली बार हो रहे विधानसभा चुनाव में पार्टी के दोनों ही धड़ों के सामने खुद को श्असली शिवसेनाश साबित करने की चुनौती होगी। हालांकि इस

साल की शुरूआत में जब लोकसभा चुनाव हुए थे, तो दोनों ही शिवसेनाओं के बीच 13 सीटों पर मुकाबला देखने को मिला था। जिसमें से शिंदे सेना को 6 और उद्धव सेना को 7 सीटों पर जीत मिली थी। हालांकि इस पर पूरे देश की नजर होगी कि महाराष्ट्र में हो रहे चुनाव में कौन सी श्शिवसेनाश ज्यादा ताकतवर होकर उभरती है। बता दें कि जून 2022 में शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे बागी बने और 16 विधायकों के साथ वह उद्धव ठाकरे के खिलाफ हो गए। महाराष्ट्र की राजनीति में करीब 15 दिनों तक चले ड्रामे के बाद उद्धव ठाकरे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसी के साथ राज्य में एकनाथ शिंदे की सरकार बनी। पार्टी जब टूटकर दो भागों में बिखरी तो मामला चुनाव आयोग तक पहुंचा। ऐसे में चुनाव आयोग ने पार्टी का नाम और सिंबल एकनाथ शिंदे के हाथों में दे दिया। तकनीकी नजरिए से शिंदे की शिवसेना असली शिवसेना पार्टी बन गई। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने भी शिंदे सेना को असली शिवसेना करार दिया और पार्टी का नाम श्शिवसेनाश और पार्टी का चुनाव चिह्न श्धनुष और तीरश शिंदे गुट के पास रहेगा, यह आदेश दिया। इस तरह से कुल मिलाकर कहा जाए, तो महाराष्ट्र ने पिछले 5 सालों में अप्रत्याशित उथल–पुथल देखी। राज्य ने एक के बाद एक कई सियासी झटके झेले। साल 2019 से 2024 तक 5 साल का कार्यकाल महाराष्ट्र की राजनीति में अप्रत्याशित घटनाओं का दौर रहा है।

लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्ष ने झूठ फैलाया

एजेंसी।

बारामती । अजित पवार ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के घटक दलों को लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष द्वारा संविधान के संबंध में फैलाए गए झूठे विमर्श का खामियाजा भुगतना पड़ा। हालांकि, अजित ने कहा कि सरकार की जन–केंद्रित योजनाओं की वजह से महायुति के महाराष्ट्र में सत्ता में बने रहने के लिए अनुकूल माहौल है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के घटक दलों को लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष द्वारा संविधान के संबंध ा में फैलाए गए झूठे विमर्श का खामियाजा भुगतना पड़ा। हालांकि, अजित ने कहा कि सरकार की जन–केंद्रित योजनाओं की वजह से महायुति के महाराष्ट्र में सत्ता में बने रहने के लिए अनुकूल माहौल है, जबकि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ऐसे वादे कर रहा है, जिन्हें वह पूरा नहीं कर सकता। उन्होंने विश्वास जताया कि वह बारामती विधानसभा सीट पर एक बार फिर जीत दर्ज करेंगे। उपमुख्यमंत्री अपने गृह क्षेत्र बारामती में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का घोषणापत्र जारी करने के बाद बोल रहे थे।

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बने ट्रंप को दी जा रहीं बधाइयां

वॉशिंगटन एजेंसी । अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करके 47वें राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप को लगातार बधाइयां दी जा रही हैं। भारत, ब्रिटेन समेत कई देशों ने डोनाल्ड ट्रंप को जीत की बधाई दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जीत वैश्विक तौर पर कई मायनों में अहम मानी जा रही है। पुरी में रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को सैंड आर्ट बनाकर बधाई दी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने डोनाल्ड ट्रंप को जीत के लिए बधाई दी। कीर स्टार्मर ने कहा कि ट्रंप के जीत हासिल करने के बाद ब्रिटेन और अमेरिका के बीच विशेष संबंध नए अमेरिकी प्रशासन के तहत भी समृद्ध होंगे। स्टार्मर ने कहा कि आपके ऐतिहासिक चुनाव जीत पर राष्ट्रपति–चुनाव ट्रंप को बधाई। मैं आने वाले वर्षों में आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। सबसे करीबी सहयोगी के रूप में, हम स्वतंत्रता, लोकतंत्र और उद्यम के अपने साझा मूल्यों की रक्षा के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। विकास और सुरक्षा से लेकर नवाचार और तकनीक तक, मुझे पता है कि आने वाले वर्षों में अटलांटिक के दोनों तरफ ब्रिटेन–अमेरिका के विशेष संबंध ा समृद्ध होते रहेंगे।

राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्रंप को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि मेरे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत–अमेरिका संबंधों और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग की आशा करता हूं। आइए हम सब मिलकर अपने लोगों की बेहतरी के लिए काम करें और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा दें।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी डोनाल्ड ट्रंप को जीत की बधाई दी। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि आपको जीत के लिए बधाई राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। कमला हैरिस को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए भी शुभकामनाएं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से हम राष्ट्रपति ट्रंप को उनकी चुनावी जीत के लिए बध ाई और शुभकामनाएं देते हैं। भारत और अमेरिका एक मजबूत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं, जो लंबे समय से चले आ रहे लोकतांत्रिक मूल्यों, समान हितों और लोगों के आपसी संबंधों पर आधारित हैं। हम वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर कहा कि भारत–अमेरिका संबंध बुनियादी रूप से ठीक रहेंगे। चीन के प्रति अमेरिका का सख्त रुख हमारे लिए अच्छा है। ट्रंप के सत्ता में आने पर आव्रजन और व्यापार से जुड़ी चिंताएं उभरेंगी। अमेरिकी नेता कई मामलों में श्लेन–देन वाला रवैयाश रखते हैं। उन्होंने कहा कि चुनावी नतीजे कोई बड़ा आश्चर्य नहीं। ट्रंप पिछले कुछ समय से खुली किताब की तरह रहे हैं। वह चार साल तक राष्ट्रपति रहे, इसलिए हमें उनके साथ काम करने का अनुभव है। वह विभिन्न मुद्दों पर काफी मुखर रहे हैं।

रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम पर चौंकाने वाली प्रतिक्रिया दी है। राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत को लेकर क्रेमलिन ने कहा कि वे अंतिम नतीजों की घोषणा का इंतजार करेंगे। क्रेमलिन से जारी बयान के मुताबिक अमेरिका में ट्रंप की जीत के बाद यूक्रेन के साथ 30 महीने से अधिक समय से जारी युद्ध समाप्त होता है या नहीं, यह देखना बेहद दिलचस्प रहेगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बयान दिए थे। लेकिन यह तो समय ही बताएगा कि इन बयानों पर कार्रवाई होती है या नहीं। अमेरिका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन के खिलाफ रूस की लड़ाई में शामिल है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ट्रंप को उनकी जीत पर बधाई देंगे, फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है। वाशिंगटन के साथ रूस के संबंध ऐतिहासिक रूप से निम्नतम स्तर पर हैं।

अधिवक्ताओं ने किया विरोध, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सोनभद्र(आरएनएस)। सदर तहसील परिसर में अधिवक्ताओं ने बुधवार को जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को नामित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। यह जानाकरी अध्यक्षता कर रहे सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पूनम सिंह ने दी। बताया कि जनपद न्यायाधीश गाजियाबाद द्वारा न्यायिक गरिमा एवं श्रेष्ठता का हनन करते हुए अधिवक्ताओं पर किये गए लाठी चार्ज की संयुक्त बार एसोसिएशन द्वारा कठोर निन्दा की गयी। स्वतंत्र भारत में किया गया यह कृत्य अंग्रेजों की याद दिलाता है, उसके बावजूद जनपद एवं सत्र न्यायाधीश गाजियाबाद के विरुद्ध अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। उन्होने उच्च न्यायालय इलाहाबाद से जनपद एवं सत्र न्यायाधीश गाजियाबाद को अविलम्ब अन्यत्र स्थानांतरित किये जाने का अनुरोध किया है। संचालन महामंत्री राजीव सिंह गौतम व सलीम कुरैशी ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर डिबाए के अतुल प्रताप सिंह, रमेश देव पांडेय, दिनेश दत्त पाठक, राकेश शरण मिश्रा, योगेश दूबे, अखिलेश पांडेय, लालता पांडेय, अरुण मिश्रा, सत्यदेव पांडेय, सेराज अक्तर खान, अखिलेश मिश्रा, सुशील शर्मा, जितेंद्र विश्वकर्मा, धीरज पांडेय, आशीष शुक्ला, अखिलेश मिश्रा, महेंद्र सिंह, अनिल पांडेय, रामप्रसाद, शारदा प्रसाद मौर्य, रामब्रिक्ष, भानु चौहान, परवेज खान, अरुण सिंहल, ओम कुमार, सुनील कुमार, सीताराम चौहान, रितेश मिश्रा, अनूप पांडेय, आदि मौजूद रहे।

सनातन धर्म को संरक्षित कर प्रचार प्रसार करना है– महामंडलेश्वर महेन्द्रानंद गिरी

प्रयागराज(आरएनएस)। सनातन धर्म के संरक्षण, प्रचार – प्रसार और उसकी महत्ता के बारे में बच्चों को जानकारी देने के लिए संत, महात्मा लगे हुए हैं। श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़ा के जूनागढ़ के जगद्गुरु गुजरात पीठाधीश्वर महेंद्रानंद गिरी महराज ने सनातन धर्म के संरक्षण के लिए सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने 907 संन्यासी बनाए हैं इसमें से 370 संन्यासी दलित समाज के है। इन सभी को सनातन धर्म के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। सनातन धर्म के सभी कर्मकाण्ड सहित अन्य जानकारी है।जगद्गुरु महराज ने बताया कि उनका बचपन से सनातन धर्म की ओर रूझान था। उन्होंने बताया कि पूज्य गुरुदेव श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़ा के संरक्षक और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी हरिगिरी महराज के सानिध्य में आने के बाद और उनकी प्रेरणा से सनातन धर्म के लिए कार्य शुरू किया। महामंडलेश्वर स्वामी महेन्द्रानंद गिरी ने बताया कि सनातन धर्म को संरक्षित करने, प्रचार – प्रसार और लोगों को जोडना शुरू किया। इस दौरान 907 लोगों को सनातन धर्म में लाकर संन्यासी बनाया है जिसमें 370 दलित लोग हैं। यह सभी महाकुंभ –2025 में प्रयागराज आ रहे हैं। इनको अलग – अलग जिम्मेदारी दी जाएगी जिसमें महामंडलेश्वर, मण्डलेश्वर, महंत, पीठाधीश्वर, श्रीमहंत, थानापति सहित अन्य पद हैं। उन्होंने बताया कि प्रयागराज के मौजगिरि में करीब चार माह पूर्व दलित कैलाशानंद को महामंडलेश्वर बनाया गया था।उन्होंने बताया समाज और समय बदल रहा है ऐसे में सनातन धर्म को संरक्षित करने, उसका प्रचार – प्रसार करने के लिए समाज के सभी वर्गो के बड़ी संख्या में योग्य लोगों को जोड़ा जा रहा है और उनसे सनातन धर्म के प्रचार–प्रसार और आने वाली पीढ़ियों को जानकारी देने की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है।जगद्गुरु गुजरात पीठाधीश्वर महेंद्रानंद गिरी महराज ने बताया कि आज कोई भी मजहब (धर्म) हो, सभी के निशाने पर सनातन धर्म और उसके लोग हैं ऐसे में सनातन धर्म के सभी लोगों को जागरूक करने और अपनी पीढ़ियों को सनातन धर्म की प्राचीनता और उसके महत्व की जानकारी दी जा रही है।

कचहरी के वकीलों ने किया गाजियाबाद के वकीलों का समर्थन

प्रयागराज(आरएनएस)। कचहरी के वकीलों ने आज आमसभा कर गाजियाबाद के वकीलों द्वारा जारी आंदोलन का समर्थन किया। वहीं फूलपुर की पुलिस द्वारा अधिवक्ता के उत्पीड़न के कृति की भी निंदा की गई।जिला अधिवक्ता संघ के मंत्री दिनेश चंद्र पांडे ने बयान जारी कर बताया कि संयुक्त बार एसोसिएशन आफ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल मीटिंग में पारित प्रस्ताव के अनुक्रम में तथा वकीलों पर गाजियाबाद में 29 अक्टूबर 24 को कराए गए लाठी चार्ज के विरोध में वहां के अधिवक्ताओं द्वारा जारी आंदोलन में सहयोग एवं समर्थन के बाबत तथा फूलपुर की पुलिस द्वारा विपक्षीगण की गिरफ्तारी न करने तथा अधिवक्ता के परिवार को परेशान करने के मामले में जिला अधिवक्ता संघ की आमसभा संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद मिश्रा रज्जू की अध्यक्षता में हुई। जिसमें सर्वसम्मति से गाजियाबाद लाठीचार्ज की घोर निंदा की गई। साथ ही जिला अधिवक्ता संघ ने वहां के वकीलों द्वारा जारी आंदोलन का पूर्ण समर्थन किया और आंदोलन को जारी रखने का प्रस्ताव भी पारित किया।सभा में पूर्व अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी, केबी तिवारी, शीतला प्रसाद मिश्रा, राधा रमन मिश्रा पूर्व मंत्री अरुण कुमार पांडे, प्रमोद सिंह नीरज पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत मिश्रा, रंजीत यादव तथा अधिवक्ता अमरीश त्रिपाठी, शिवनरेश शुक्ला, वीरेंद्र शुक्ला, देवमणि मिश्रा तथा रत्नेश शुक्ला आदि ने अपने–अपने विचार रखे। सभा का संचालन मंत्री दिनेश चंद्र पांडे ने किया।

विदेशी षडयंत्र है खालिस्तान का नारा– शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती

प्रयागराज (आरएनएस)। शंकराचार्य गोवर्धन मठ पुरी ओडिसा स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा कि खालिस्तान का नारा विदेशी षडयंत्र है। बुद्धजीवी सिख समुदाय भी इसका विरोध करते हैं लेकिन षडयंत्र के तहत कुछ लोग खालिस्तान का नारा लगाते हैं। शंकराचार्य ने कहा कि यदि पिछले 100 से 125 वर्षों के बीच के समय को देखा जाय तो जो जो भी देश भारत से पृथक हुए हैं उनकी आज क्या दुर्दशा है ये स्पष्ट दिखाई पड़ रहा है। स्वस्तिक गार्डन गद्दोपुर खा फी मऊ में अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान दूसरे दिन भक्तों की जिज्ञासाओं का समाधान करते एवं मीडिया से बातचीत के दौरान शंकराचार्य ने ये बातें कही।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जिसका विरोध बार बार किया जाता है उस व्यक्ति का प्रचार हो जाता है और मौन रहने पर या तो भय समझा जाता है या समर्थन इसलिए उचित समय पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए। शंकराचार्य ने कहा कि मैं किसी राजनैतिक दल का न समर्थक हूं न विरोधी और न अनुगामी। धर्म और राजनीति से जुड़े प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि व्यासपीठ को दास बनाने का षड्यंत्र चल रहा है। गौ रक्षकों को गुंडा कहा जाता है जिससे गौकशी करने वालों और विरोधियों का मनोबल बढ़ता है। जीवन में किससे टकराना चाहिए किससे नहीं इसका विवेक व्यक्ति में होना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा कि एक हिंदू परिवार से एक रुपया एक घंटा नित्य निकले और अपने क्षेत्र के मठ मंदिर को केंद्र बनाकर हिंदू उसकी रक्षा करें। सिर्फ पेट और परिवार पालने तक ही हिंदू सीमित न रहें।समाज के उत्कर्ष के लिए सभी वर्णों की आवश्यकता है और सभी की उपयोगिता है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों में मंत्र बल और क्षत्रियों में बाहुबल की प्रधानता होनी चाहिए और सामंजस्य भी तभी समाज की रक्षा हो सकेगी। इस अवसर पर शंकराचार्य के निजी सचिव स्वामी निर्विकल्पानंद सरस्वती, प्रफुल्ल महराज, हृषिकेश ब्रह्मचारी, सत्येंद्र सिंह, बीपी सिंह, आचार्य रामानुज, आचार्य अजय पांडेय, विमल, प्रवीण नेगी, राजीव मिश्र राणा, दीपक शुक्ल, आकाश सिंह, मुन्ना सिंह, विवेक मिश्रा आदि शिष्य उपस्थित रहे।

मंगल कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ विष्णु यज्ञ तुलसी विवाह महोत्सव

प्रयागराज (आरएनएस)। तुलसी विवाह महोत्सव समिति प्रयागराज के तत्वाधान में विष्णु यज्ञ तुलसी विवाह महोत्सव का शुभारंभ समिति के अध्यक्ष कृष्ण भगवान केसरवानी के नेतृत्व में मंगल कलश यात्रा के साथ निकालकर की गई। इस अवसर समिति के संस्थापक एवं संयोजक यज्ञाचार्य संतोषानंद महाराज ने पूर्ण विधि विधान के अनुसार बारादरी यमुना घाट पर मां यमुना जी की पूजन अर्चन आरती कर गाजे बाजे के साथ मंगल कलश यात्रा का शुभारंभ किया।

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि मंगल कलश यात्रा बारादरी यमुना घाट से होते हुए बलुआ घाट, सत्ती चौरा, पंचमुखी, मालवीय नगर से होते हुए कार्यक्रम स्थल बाबा तारा राम पीली संगत मालवीय नगर प्रयागराज में संपन्न हुई।

महोत्सव के अंतर्गत 7 नवंबर को मंडप वेदी पूजन प्रातः 8:00 बजे से 12:00 बजे तक हवन सुबह 10:00 बजे से 12:00 तक एवं 11 नवंबर तक प्रतिदिन होगी और 12 नवंबर को यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ तुलसी विवाह मांगलिक कार्यक्रम एवं भगवान शालिग्राम की बारात शोभा यात्रा निकाली जाएगी

कलश यात्रा में प्रमुख रूप से धर्मेंद्र केसरवानी, सत्या जायसवाल, राजेश केसरवानी, सारिका यादव, प्रीति रावत, गीता गुप्ता शेरनी, रानी केसरवानी, जूही जायसवाल, लता उपाध्याय, संगीता केसरवानी, कलावती, निशा अग्रहरि रचना श्रीवास्तव क्रांति यादव पार्वती वर्मा बिना सारस्वत ज्योति गुप्ता, सविता मालवीय, विजयलक्ष्मी जायसवाल, संतोषी, अनीता गुप्ता, मालती केसरवानी आदि सैकड़ो महिलाएं उपस्थिति रही

व्रतियों ने की वेदी की पूजा, डूबते सूर्य को अर्घ्य आज

सोनभद्र(आरएनएस)। सूर्य आराधना का महापर्व डाला छठ शुरू हो गयी है। पर्व का कठिन और महत्वपूर्ण अर्घ्य षष्टी यानी वृहस्पतिवार को अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को दिया जायेगा। इस पर्व की तैयारियों को ब्रती महिमलाओं ने अंतिम रूप दे दिया है। बुधवार को खरना अनुष्ठान का आयोजन किया गया। जिसके तहत गुड़ मिश्रित खीर–रोटी शुद्धता से पका श्रद्धालु परिवार द्वारा भोग लगाया गया। व्रति महिलाएं सायंकाल घाट पहुंच बनायी गयी वेदी की विधि पूर्वक पूजन–अर्चन कीं। नगर में बुधवार को अपरान्ह तक खरीददारी की चहल पहल रही। छठ पर्व के ऐन वक्त पर व्रति महिलाएं व उनके परिजन मौसमी फल, गन्ना, सकरकन्द, हल्दी, अदरक, सूथनी, नारंगी, सेब, वस्त्र तथा बांस की बनीं सूप डलिया आदि पूजन सामग्रियों की जमकर खरीददारी कीं। सायंकाल सरोवरों, नदियों और नहरों के किनारे घाट पर बनी वेदी की सविधि पूजन–अर्चन कीं। वृहस्पतिवार को घाट पर पहुंच षष्ठी तिथि को सायंकाल व्रति महिलाएं, पुरूष डूबते सूर्य को स्नान कर जल में खड़े होकर प्रथम अर्घ्य देंगी। इन दिनों लगभग हर घरों एवं लोगों के मुंह से ''कांचहीं बांस की बहंगियां, बहंगी लचकत जाय'' आदि छठ मईया के गीत गुनगुनाते सुना जा रहा है। ''ऊँ एहि सर्य्य सहस्त्रांशो ते जोराशे जगत्पत्ते। अनुकम्पय मां भक्तया गृहणार्घ्य दिवाकर।।'' मंत्राच्चार के साथ जब भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है तो उस समय का भाव ही कुछ और रहता है। इस संबंध में राबर्ट्सगंज नगर की मंजू देवी, प्रिया अग्रवाल, पलक, सैफाली, कृष्णावती, ढुटेर गांव की पुष्पावती, कुसुम कुमारी, पार्वती, धर्मदासपुर की कुसुम, श्वेता, नेहा, आरती, मराची की सरोज, कैथी द्वितीय की गुजराती, सुशीला आदि महिलाओं का मानना है कि सुख–समृद्धि, खुशहाली के लिए सृष्टि के नियंता प्रत्यक्ष देव भगवान सूर्य जी की आराधना की महत्ता सर्वविदित है। चार दिवसीय इस पर्व के व्रत से मंगल कल्याण होता है। इस अवसर पर समूचा वातावरण भक्तिमय रहता है और दृश्य भी रमणीय सा नजर आता है। अनुठी समरसता भी छठ महापर्व को महान निरूपित करता प्रतित होता है।

सरकारी स्कूल के बच्चों में अपार दक्षताएं–एसडीएम

करमा,सोनभद्र(आरएनएस)। करमा व घोरावल में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन केकराही व कंम्पोजिट स्कूल केवली में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपजिलाधिकारी घोरावल राजेश कुमार सिंह एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य नीरज श्रीवास्तव उपस्थित रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी घोरावल अशोक कुमार सिंह ने किया। उक्त स्पर्धा का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन तथा माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात् अतिथियों को छात्रों ने मार्च पास्ट की सलामी देते हुए मशाल धावक के रूप में क्रीड़ा प्रांगण में दौड़ते हुए यह संदेश दिया कि मैदान के अंदर खेल के सभी नियमों का पालन पूरी ईमानदारी के साथ करें। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नीरज श्रीवास्तव ने कहा कि जल्द ही घोरावल में अगला खेल प्रतियोगिता निर्माणाधीन स्टेडियम में होगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सरकारी स्कूलों के बच्चों में प्रतिभाओं की भरमार है इन्हें सही दिशा में लाकर राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। खंड शिक्षा अधिकारी घोरावल अशोक कुमार सिंह ने उपस्थित सभी लोगों को मोमेंटो एवं अंगवस्त्रम् देकर कार्यक्रम में गरिमामय उपस्थिति हेतु आभार व्यक्त किया।

इंद्रनील संतोष ट्राफी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए गोलकीपर प्रशिक्षक नियुक्त

प्रयागराज(आरएनएस)। भारतीय फुटबॉल महासंघ (ए आई एफ एफ) के तत्वाधान में आगामी 13 से 25 नवंबर तक अगरतला त्रिपुरा में आयोजित होने जा रही संतोष ट्रॉफी सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए नॉर्दन फुटबॉल अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक इंद्रनील घोष को त्रिपुरा सीनियर राज्य फुटबॉल टीम का गोलकीपर प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है।इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कुल 28 राज्य एवं 02 केंद्र शाषित प्रदेश की फुटबॉल टीम प्रतिभाग कर रही है जिसमे ग्रुप डी के सभी मैच त्रिपुरा में खेले जायेंगे। इंद्रनील त्रिपुरा राज्य टीम के गोलकीपर प्रशिक्षक के तौर पर त्रिपुरा के संभावित गोलकीपर्स को अभ्यास करवाएंगे। उक्त जानकारी त्रिपुरा फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव अमित चौधरी ने लिखित पत्र में दिया। इंद्रनील इससे पहले भी पिछले वर्ष भी त्रिपुरा टीम के गोलकीपर प्रशिक्षक के तौर पर काम कर चुके है एवं कई राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिताओ में उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, लक्ष्यदीप के साथ ही साथ इलाहाबाद विश्वविद्यालय, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान उत्तर प्रदेश, प्रयागराज मंडल के भी प्रशिक्षक रह चुके है। इंद्रनील की इस उपलब्धि पर विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल के निदेशक अभिषेक तिवारी, प्रधानचार्य दिनेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ० शैलेश वर्मा, सी ए वी इंटर कॉलेज के प्रबंधक हनुमान उपाध्याय, डॉ शैलेश वर्मा, डॉ सर्वेश गुप्ता, सुप्रतीक चटर्जी, फुटबॉल प्रशिक्षक संजय भट्टाचार्य, सुनील निगम, सुशील कुमार ने शुभकामनायें दी।

टीचर ने कक्षा दो की बच्ची को पीटा गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती

प्रयागराज(आरएनएस)। जार्ज टाउन क्षेत्र में स्कूल टीचर ने 7 साल की आदिति सिंह मार दिया जिससे वह बेहोश हो गई। घरवाले डॉक्टर के पास पहुंचे तो डॉक्टर से सीरियस बोल जवाब दे दिया। रोता बिलखता परिवार फिनिक्स अस्पताल पहुंच। छात्रा आईसीयू में भर्ती है। उसके सिर पर चोट की बात कही जा रही है। वह सदमें है। पिता ने जार्जटाउन थाने में स्कूल प्रबंधन और क्लास टीचर के खिलाफ तहरीर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार जार्जटाउन क्षेत्र में रहने वाले गजेंद्र सिंह की बेटी आदिति सिंह जार्जटाउन स्थित जगत तारन गोल्डन जुबली स्कूल में कक्षा 2 की छात्रा है। मंगलवार को आदिति सुबह आठ बजे स्कूल गई थी। पिता गजेंद्र सिंह ने बताया कि 11 बजे के करीब उनके पास क्लास टीचर का फोन आया कि आदिति स्कूल में बेहोश हो गई है फौरन स्कूल आ जाइए। गजेंद्र ने जब स्कूल प्रिंसिपल से बात करनी चाही तो बात नहीं कराई गई। परिवार वाले भागते हुए स्कूल पहुंचे तो देखा आदिति बेहोश मिली। छात्रा के पिता का कहना है कि वह पास के डॉ. मनोज गुप्ता के अस्पताल पहुंचे तो उन्होंने कहा कि बच्ची की हालत बहुत सीरियस है। इसे तुरंत बड़े अस्पताल ले जाना होगा। इसके बाद आदिति को फिनिक्स अस्पताल ले गए। वहां भी हालत गंभीर बताते हुए आईसीयू में भर्ती किया गया।पिता का आरोप है कि बच्ची के संबंध में जब स्कूल वालों से बात की गई तो वह टालमटोल करने लगे। क्लास की दूसरी छात्राओं से बातचीत करने पर पता चला कि सुबह उसे क्लास में बुरी तरह पीटा गया था। उसके सिर में चोट लगने की वजह से वह रोती रही।

पिता का कहना है कि बच्ची सुबह आठ बजे बेहोश हुई लेकिन स्कूल वाले पूरा मामला दबाए रहे और 11 बजे सूचना दी जब बच्ची की हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई।

जार्जटाउन पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर

एनएचएआई द्वारा करवाए जा रहे कार्यों की हुई समीक्षा

हर 15 दिन पर देखेंगे कार्यों की प्रगति

प्रयागराज (आरएनएस)। महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा क्रियान्वित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आज एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष यादव की अध्यक्षता तथा प्रमुख सचिव, नगर विकास, अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग, अजय चौहान, अपर पुलिस महानिदेशक, भानु भास्कर, मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, मेलाधिकारी विजय किरन आनंद, एमडी, जल निगम अमित कुमार सिंह, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ तथा अन्य सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में मेला प्राधिकरण कार्यालय स्थित आईसीसीसी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रमुखता रिंग रोड, प्रयागराज– रायबरेली मार्ग के चौड़ीकरण तथा सिक्स लेन ब्रिज संबंधित सभी कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई जिसके अंतर्गत अध्यक्ष ने तीनों कार्यों से जुड़े प्रोजेक्ट डायरेक्टर से उनके वीकली माइक्रो प्लान के टारगेट को समझते हुए कार्यों में आ रही मटेरियल, मैनपॉवर एवं फंड संबंधित समस्याओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। तीनों ही परियोजनाओं में जहाँ भी मटेरियल अथवा मैनपॉवर संबंधित समस्याओं के बारे में अवगत कराया गया वहां पर उन्होंने एनएचएआई के अन्य शहरों से रिसोर्सेस एवं मनपॉवर को शिफ्ट करते हुए कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त सभी प्रोजेक्ट डायरेक्टर को कार्यों की डेली प्रगति समीक्षा करते हुए रिपोर्ट करने के निर्देश देते हुए यह भी स्पष्ट किया कि वह स्वयं वी सी के माध्यम से हर 15 दिन में सभी कार्यों की प्रगति समीक्षा करेंगे।महाकुंभ से सम्बंधित एनएचएआई की सभी सड़कों पर ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस कि विशेष व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं ताकि आवश्यकता पडने पर छोटी मोटी मरम्मत का काम तुरंत कराया जा सके। इस कार्य के दृष्टिगत उन्होंने हर आपरेशन एंड मेंटेनेंस एजेंसी को एक विशेष टीम लीडर नियुक्त करने के भी निर्देश दिए हैं।प्रमुख सचिव, नगर विकास ने सभी एनएचएआई की सड़कों पर आइआरसी गाइडलाइन का अनुपालन करते हुए अपेक्षित फॉरमेट में मल्टी लिंगुल साइन बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए जिससे कि आने वाले सभी श्रद्धालुओं को रास्ता समझने में आसानी हो सके। प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी ने सभी

महाकुंभ 2025 महाकुंभ में हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी

प्रयागराज (आरएनएस)। महाकुंभ 2025 के वृहद आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में परिंदा भी पर न मार सके, इसके लिहाज से स्वास्थ्य कर्मियों के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कई टीमें मिलकर काम कर रही हैं। महाकुंभ से पहले केमिकल, बायलॉजिकल, रेडिएशनल और न्यूक्लियर प्रॉब्लम से निपटने के लिए भी टीम को तैयार कर लिए जाने की योजना है। इसके लिए बाकायदा कर्मचारियों को हर आपदा से निपटने की विधिवत ट्रेनिंग दी जाएगी। यही नहीं योगी सरकार के निर्देश पर श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट के लिए भी प्रयागराज के अस्पतालों को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अपग्रेड करने में लगे हैं।

संयुक्त निदेशक (चिकित्सा स्वास्थ्य) प्रयागराज वीके मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ के दौरान स्वास्थ्य विभाग सभी इंतजाम पुख्ता करने में जुटा है। इसके तहत कर्मचारियों को महाकुंभ में हर आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग दी जाएगी। महाकुंभ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट के लिए टीबी सप्रू और स्वरूपरानी अस्पताल को तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम के साथ स्वास्थ्य कर्मियों के मिलकर काम करने की योजना बनाई गई है। सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन के दौरान हर एक श्रद्धालु को केमिकल, बायलॉजिकल रेडिएशनल और न्यूक्लियर संबंधी हर प्रॉब्लम से सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

अनुभवी चिकित्सकों की ही तैनाती

प्रयागराज (आरएनएस)। महाकुंभ के दौरान देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की देखरेख के लिए 291 एमबीबीएस व स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती रहेगी। इसके अलावा 90 आयुर्वेदिक और यूनानी विशेषज्ञ भी इस अभियान में सहयोग के लिए मौजूद रहेंगे। साथ ही 182 स्टॉफ नर्स इन चिकित्सकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जरूरतमंदों के स्वास्थ्य की देखभाल करेंगी। इस प्रक्रिया में ज्यादातर अनुभवी चिकित्सकों को ही महाकुंभ के दौरान तैनाती दी जा रही है।

गायन में अंकना और नृत्य में अलंकर्ता रहीं विजेता

प्रयागराज (आरएनएस)। जगत तारन महिला महाविद्यालय में बुधवार को सांस्कृतिक क्रियाकलाप समिति द्वारा छात्राओं हेतु प्रतिभा खोज प्रतियोगिता तथा इन्डक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण तथा दीप प्रज्वलन से हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० अशिमा घोष ने स्नातक प्रथम वर्ष की छात्राओं का स्वागत किया तथा सभी को संबोधित किया। छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में समय समय पर प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं जिसमें छात्राएं अवश्य भाग लें ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।प्रतियोगिता गायन और नृत्य कला विधाओं के अंतर्गत आयोजित किया गया। जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गायन में प्रथम स्थान पर अंकना चौधरी, द्वितीय स्थान पर ईशा त्रिपाठी और तृतीय स्थान पर श्रेया चौटर्जी रहीं। नृत्य में प्रथम स्थान पर अलंकृता, द्वितीय स्थान शुभी तिवारी और तृतीय स्थान दिव्या जैसवाल ने प्राप्त किया.विशेष प्रस्तुति के रूप में सुश्री शुभकामना सोनकर ने गिटार वादन की सुमधुर प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ० शुचि तिवारी, सुश्री संगीता भारद्वाज और सुश्री संगीता विश्वकर्मा ने निभाई। संचालन महाविद्यालय की छात्राओं, शुभी और अन्तरा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सांस्कृतिक क्रियाकलाप समिति की प्रभारी डॉ० नम्रता देब ने किया।कार्यक्रम में महाविद्यालय मेजर अर्चना पॉल, प्रो० शिखा दीक्षित, प्रो० नंदिनी मुखर्जी, प्रो० काजल देब, प्रो० मिनाश्री यादव, सुश्री संगीता सहगल, डॉ० कस्तूरी भारद्वाज, डॉ० अजीता ओझा, डॉ० फातिमा नूरी, डॉ० प्रमा द्विवेदी, डॉ० अंकिता चतुर्वेदी, डॉ० अनुज वर्मा, डॉ० शालिनी सिंह, डॉ० ऐश्वर्य सिंह, डॉ० आशीष मिश्रा, डॉ० निर्मला यादव, डॉ० रीना यादव, डॉ० प्रभात रंजन, लाल बहादुर पटेल, अश्विनी केसरवानी, प्रांशु मिश्रा, संदीप चक्रवर्ती आदि शिक्षक और कर्मचारी तथा महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थे।

ब्राह्मणों की सेवा में तत्पर है ब्राह्मण परिषद उत्तर प्रदेश- शैलेंद्र मिश्रा

10 नवंबर को होगा गड्ढा गार्डन में महासम्मेलन

प्रयागराज (आरएनएस)। ब्राह्मण परिषद उत्तर प्रदेश विगत दो वर्षों से प्रदेश के विभिन्न जनपदों में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ब्राह्मण परिवार के लिये उनके जीविकोपार्जन की व्यवस्था हेतु अनेक महिलाओं को विधवा माता पेन्शने के रूप में 1000ध– रूपये प्रतिमाह का वितरण कर रहा है। परिषद शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक रूप से अक्षम छात्रों को निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था भी प्रदान कर रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में कई ब्राह्मण परिवारों की सहायता की गयी है। यह जानकारी ब्राह्मण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र मिश्रा ने प्रेस वार्ता में दी।उन्होंने बताया कि सनातन संस्कृति के प्रचार प्रसार हेतु हर रविवार को विभिन्न मन्दिरों में हनुमान चालीसा (सुन्दर काण्ड) का पाठ आयोजित करता रहता है। गरीब कन्याओं की शादी हेतु सहयोग प्रदान करना, सक्षम व्यक्तियों से धन एकत्रित कर गरीब परिवारों की सहायता करना संस्था के मुख्य उद्देश्यों में से एक है। राष्ट्र हित में हमारी संस्था के द्वारा आरक्षण को जातिगत आधार पर न लाकर आर्थिक आधार पर राष्ट्र के समस्त अक्षम व्यक्तियों को आरक्षण प्रदान करने की मांग करता है। ब्राह्मण परिषद उत्तर प्रदेश राष्ट्र के उत्थान के लिये बिना जाति भेद–भाव के वसुधैव कुटुम्बकम के भावना से समाज के उत्थान हेतु सतत प्रयत्नशील रहता है। श्री मिश्र ने कहा कि परिषद का महासम्मेलन 10 नवंबर को कैंट थाने के सामने स्थित गड्ढा गार्डन में आयोजित किया गया है सम्मेलन के मुख्य अतिथि समर पीठाधीश्वर स्वामी नरेंद्र आनंद सरस्वती जी महाराज होंगे। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों का हजारों साल का इतिहास रहा है कि वह समाज एवं राष्ट्र के कल्याण हेतु अपनी कुर्बानी देता रहा है किन्तु आज उसी को समाज में लोग तिरस्कार की भावना से तिरस्कृत करते रहते हैं इसीलिये ब्राह्मणों को एक मंच पर लाने की आवश्यकता महसूस हुई। अतः संघे शक्ति कलयुगे का भाव आवश्यक हो गया है। प्रेस वार्ता में संरक्षक उमेश शुक्ला,, ज्योति भूषण तिवारी, पुष्पा मिश्रा, विशाखा मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली सड़क सुरक्षा रैली

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रति जनमानस में जागरूकता फैलाने के लिए बुधवार को सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय में गठित सेफ्टी क्लब के तत्वावधान में गंगा प्ररिसर से लेबर चौराहा, शांतिपुरम तक सड़क सुरक्षा रैली कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सड़क सुरक्षा पखवाड़ा में यातायात नियमों के प्रति जन मानस में जागरूकता लाने के लिए शपथ दिलाई एवं हरी झंडी दिखाकर सड़क सुरक्षा रैली का शुभारंभ किया।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 07 नवंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

रंगारंग कार्यक्रमों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 'स्पर्धा–2024' का भव्य उद्घाटन

लखनऊ, 6 नवम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, आर.डी.एस.ओ. कैम्पस द्वारा आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड 'स्पर्धा–2024' का भव्य उद्घाटन आज सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि श्री आशीष कुमार सिंह, विधायक, बिलग्राम–मल्लावां, हरदोई, ने दीप प्रज्जवलित कर 'स्पर्धा–2024' का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में शिक्षात्मक–साँस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच विश्व एकता व विश्व शान्ति के गीत गाते देश–विदेश के बाल खिलाड़ियों की उपस्थिति से लघु विश्व का दृश्य साकार हो उठा। इससे पहले, 'स्पर्धा–2024' का शुभारम्भ सर्व–धर्म एवं विश्व शान्ति प्रार्थना से हुआ तथापि सी.एम.एस. छात्रों ने विभिन्न देशों के राष्ट्रीय ध्वजों को हाथों में लहराते हुए सारे विश्व में शान्ति रहे का सन्देश दिया।

इस अवसर पर देश–विदेश के बाल खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री आशीष सिंह 'आशू' ने कहा कि अनुशासन, राष्ट्रप्रेम तथा खेल भावना ही एक अच्छे और अनुशासित खिलाड़ी की पहचान है, जो उसे समाज व राष्ट्र का आदर्श नागरिक बनाती है। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने कहा कि 'स्पर्धा–2024' विश्व शान्ति और विश्व एकता की भावना को आगे बढ़ाने की एक और कड़ी है। इस अन्तर्राष्ट्रीय खेल ओलम्पियाड में देश–विदेश के छात्रों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर न केवल प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर मिलेगा अपितु उनमें वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का भी विकास होगा। 'स्पर्धा–2024' की संयोजिका एवं सी.एम.एस. आर.डी.एस.ओ. कैम्पस की प्रधानाचार्या सुश्री ज्योत्सना अतुल ने देश–विदेश से पधारे बाल खिलाड़ियों एवं गणमान्य आतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि इस ओलम्पियाड में देश–विदेश की उभरती हुई खेल प्रतिभाओं को अपने दमखम का प्रदर्शन करने का अच्छा अवसर प्राप्त होगा।

वाहन से टकराई तेज रफ्तार कार, दो युवकों की मौत

बरेली संवाददाता। बरेली के बिथरी चौनपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को दर्दनाक हादसा हुआ। शाम करीब साढ़े चार बजे बिथरी चौनपुर क्षेत्र के आलमपुर गजरौला में बड़ा बाइपास पर तेज रफ्तार कार किसी वाहन से टकरा गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दोनों शव कार के अंदर फंस गए। हादसे के बाद हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बुलडोजर की मदद से कार की छत को काटकर दोनों के शवों को बाहर निकाला। मृतकों के शिनाख्त नहीं हुई है। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवाया है। दोनों रामपुर जिले के बताए जा रहे हैं। कार में शादी के कार्ड भी मिले हैं। हादसे के बाद बड़ा बाइपास पर जाम लग गया था। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को हटवाकर जाम खुलवाया।

बेटे के आत्महत्या का लिया बदला, मां के उकसावे पर दिया वारदात को अंजाम

मुरादाबाद संवाददाता। मुरादाबाद के एक स्कूल के वाइस प्रिंसिपल शबाबुल आलम के दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या करने के कारणों और हत्यारों को लेकर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस खूनी खेल के पीछे एक महिला और उसके दो बेटे शामिल हैं। बता दें कि यह पूरी घटना मंगलवार सुबह की है। पुलिस ने बताया कि छोटे भाई की मौत का बदला लेने के लिए दो भाइयों ने श्री साईं विद्या मंदिर स्कूल के वाइस प्रिंसिपल शबाबुल आलम को गोली से उड़ाया। इसमें इनकी मां की भी भूमिका समाने आई है। मां के ही उकसाने पर दोनों बेटों ने ऐसा किया। मां ने कहा था छोटे भाई की आत्महत्या का बदलना नहीं लोगे क्या? इसके बाद ही पूरी प्लानिंग के साथ इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया।

आरोपियों के छोटे भाई प्रिंस ने 15 फरवरी को आत्महत्या कर ली थी। शबाबुल आलम पर उसे प्रताड़ित करने का आरोप लगा था। प्रिंसिपल को गोली मारने के लिए दोनों भाई बाइक पर सवार होकर गए थे। गोली मारने के बाद दोनों भाग जाते हैं। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो जाती है।

मुरादाबाद से सटे लाकड़ी फाजलपुर गांव की मुख्य सड़क पर मंगलवाल सुबह लोगों का आवागमन कम था। यहां की कुछ ही दुकानें खुली थीं, जबकि अधिकांश दुकानों के शटर बंद थे। बीच गांव में मंदिर के पास चौराहे पर बाइक सवार दो युवक एक घंटे से किसी का इंतजार कर रहे थे। एक युवक ने हेलमेट पहन रखा था, जबकि दूसरे युवक ने अपने मुंह पर कपड़ा बांधे हुए था। दोनों युवक कभी आगे जाते तो कभी पीछे जाते। इसके बाद दोनों वहीं आकर रुक जाते थे।

इसी दौरान वाइस प्रिंसिपल शबाबुल आलम अपने घर से निकल कर गली से होते हुए गांव की मुख्य सड़क पर आ गए। शबाबुल आलम को देखकर चौराहे पर एक घंटे से खड़े दोनों युवकों ने अपनी बाइक स्टार्ट की। शबाबुल आलम श्री साईं विद्या मंदिर स्कूल की ओर बढ़ रहे थे, जबकि उनका छोटा भाई रियाजुद्दीन रास्ते में रुक गया और एक व्यक्ति से बातचीत करने लगा। शबाबुल भूप सिंह के मकान के सामने से गुजरने लगे। इसी दौरान आदित्य और शिवम बाइक लेकर आ गए। बाइक पर पीछे बैठे शिवम ने अपनी अंटी से तमंचा निकाला और पास आकर शबाबुल की दाहिनी कनपटी के पास गोली मार दी।

गोली लगने से शबाबुल सड़क पर गिर गए। फायरिंग की आवाज सुनकर भाई रियाजुद्दीन ने देखा कि उनके भाई सड़क पर गिर गए हैं। वहीं वारदात के बाद हत्यारोपी बाइक दौड़ाकर भाग गए। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्कूल स्टाफ और छात्र–छात्राएं भी वहां पहुंच गए। शबाबुल को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर जांच पड़ताल की। आस पड़ोस की फुटेज खंगाली, जिससे पला चला कि हत्यारोपी एक घंटे से चौराहे पर खड़े थे। पुलिस ने लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि हत्यारोपी कई दिन से बाइक से रेकी कर रहे थे। सोमवार को भी दोनों भाइयों को लाकड़ी फाजलपुर में देखा गया था।

दिनदहाड़े लाकड़ी फाजलपुर में हुई इस वारदात से लोग सहम गए। घटनास्थल के पास दो निजी और एक सरकारी स्कूल हैं। घटना की जानकारी मिलने पर सभी स्कूल से बच्चे बाहर निकल आए। उन्होंने घटनास्थल पर वाइस प्रिंसिपल को लहूलुहान हालत में पड़ा देखा तो चीख पुकार मचाने लगे। घटना की जानकारी मिलने पर अभिभावक आ गए और वह अपने–अपने बच्चों को घर ले गए।

रियाजुद्दीन ने पुलिस को बताया कि आरोपी शिवम राघव और आदित्य राघव ने उनके भाई की हत्या करने की धमकी दी थी। आरोपी रास्ते में घेरकर कई बार उन्हें धमका चुके थे। इस मामले की शिकायत पुलिस से की गई थी, लेकिन पुलिस ने धमकियों को गंभीरता से नहीं लिया। शबाबुल आलम की मां और बहनों ने भी आरोपियों की मां कविता पर धमकाने का आरोप लगाया है।

कविता अपने परिवार के साथ मझोला क्षेत्र में ही आफत नगरी नया गांव में किराये के मकान में रहती है। कविता और उसका बड़ा बेटा शिवम फैक्टरी में काम करते हैं, जबकि दूसरे नंबर का आदित्य शहर के एक इंटर कॉलेज में पढ़ता है। पुलिस की जांच पड़ताल में पता चला कि कविता और शिवम सोमवार को फैक्टरी नहीं गए, जबकि आदित्य ने भी सोमवार को छुट्टी मारी थी। इससे साफ पता चला कि मां–बेटे पहले से इस हत्याकांड को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। पुलिस के हाथ लगी फुटेज से पता चला कि आदित्य बाइक चला रहा था, जबकि शिवम ने शबाबुल को गोली मारी थी। इसके बाद ही आरोपी मौके से भागे थे।

शिवम और आदित्य ने अपनी मां के साथ मिलकर इस हत्याकांड को पहले ही शातिराना अंदाज में अंजाम दिया है। हत्यारोपी जानते हैं कि मोबाइल का इस्तेमाल करेंगे तो वह पकड़े जाएंगे। वाइस प्रिंसिपल की हत्या करने के बाद शिवम अपनी ससुराल पहुंचा और उसने अपना मोबाइल पत्नी को दे दिया था। इसके बाद ही दोनों भाई फरार हुए।

लाकड़ी फाजलपुर में श्री साईं विद्या मंदिर स्कूल के वाइस प्रिंसिपल की हत्या करने वाले शिवम और उसके भाई आदित्य ने इस हत्याकांड को अंजाम देने के लिए कई दिन तक रेकी की। इसके बाद ही फरार हुए थे। पुलिस ने कविता को हिरासत में लेकर पूछताछ की और आदित्य और शिवम के मोबाइल नंबर लिए। इन नंबरों के जरिए पुलिस मझोला पहुंच गई। पुलिस ने शिवम का मोबाइल एक महिला से बरामद किया। पूछताछ करने पर चला कि महिला शिवम की पत्नी और वह अपने मायके में रहती है। शिवम की पत्नी ने बताया कि आठ बजे के बाद दोनों भाई उसके पास आए थे। उन्होंने अपना मोबाइल मुझे दे दिया था। इसके अलावा वह यह भी बताकर गए हैं कि वह कहीं जा रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसके अलावा कोई जानकारी नहीं दी।

मंगलवार की दोपहर शबाबुल आलम के शव का पोस्टमार्टम हुआ, जिसकी डिजिटल फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई गई। गोली का एंट्री और एग्जिट प्वाइंट देखने के लिए शव का एक्सरे भी कराया गया। जिसे पता चला कि शबाबुल को दाहिनी कनपटी के पास तमंचा सटाकर गोली मारी गई थी। इसके बाद गोली बायें गाल के पास से निकल गई थी। मंगलवार शाम को आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, गोली से भेजा उड़ गया था और हड्डियां टूट गईं थीं।

बीवी के मायके से नहीं लौटनें पर युवक ने दे दी जान

मेरठ संवाददाता। बहसूमा के गांव बटावली निवासी सोनू (38) ने पत्नी के मायके से नही आने पर बुधवार सुबह फांसी पर लटक गया। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम भिजवाया। ग्रामीणों ने बताया कि सोनू पुत्र हरिराम शराब पीने का आदी हो गया था। उसकी शादी बागपत के गांव पाबला निवासी युवती से करीब 11 वर्ष पूर्व हुई थी। उसके दो पुत्र हैं। बताया गया कि दीपावली के दिन नशेड़ी सोनू में पत्नी को मारपीट कर जख्मी कर दिया था। भैया दूज पर आए भाई ने बहन के शरीर पर चोट के निशान देखे तो वह उसे अपने साथ ले गया। बताया गया कि तब से वह दिन–रात शराब पी रहा था। पत्नी को मायके से आने के लिए फोन करता था तो उसने कहा कि शराब नहीं पीएगा और मारपीट नहीं करेगा, तो वह आएगी। बताया गया है कि शराबी सोनू अपनी पत्नी से बेहद प्यार करता था। बुधवार सुबह सोनू ने छत की कुंडी में रस्सी के फंदे पर लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वही थाना प्रभारी इंदु वर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या प्रतीत हो रही है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा।

राम जानकी शिव मंदिर से अष्टधातु की मूर्तियां चोरी

बलरामपुर संवाददाता। बलरामपुर के ललिया थाना क्षेत्र के मथुरा बाजार स्थित राम जानकी शिव मंदिर में अष्टधातु की राम, जानकी व लक्ष्मण की प्रतिमा के साथ ही लड्डू गोपाल की मूर्ति मंगलवार की रात चोरी हो गई। इसके बाद भड़के लोगों ने खुलासे की मांग को लेकर बुधवार को मथुरा बाजार में दुकानें बंद कर जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने समझा बुझाकर मामला शांत कराया। मंदिर के संरक्षक बीरबल उर्फ हरिराम कसौंधान ने बताया कि मंगलवार की रात करीब 10 बजे के बीच सैकड़ों साल पुराने मंदिर में राम, जानकी, लक्ष्मण की अष्टधातु की मूर्ति व लड्डू गोपाल की प्रतिमा चोरी हो गई। बताया कि उनका बेटा आशीष जब रात में मंदिर का ताला बंद करने पहुंचा तो देखा कि मंदिर से मूर्ति गायब थी। पुलिस को सूचना दी गई। रात में ही पुलिस अफसरों ने पहुंचकर जानकारी ली।

छठ पर्व की खुशियां मातम में बदली

सोनभद्र संवाददाता। ओबरा स्थित रेणुकापार के पनारी ग्राम पंचायत में बुधवार की शाम छठ घाट पर रेणुका नदी में डूबने से व्रती महिला की मौत हो गई। वेदी पूजन के दौरान नहाने समय वह

नदी में डूब गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।

पनारी ग्राम पंचायत के टोला बगबईसा निवासी मालती पत्नी जितेंद्र यादव छठ पूजा के लिए बुधवार शाम लगभग चार बजे अपने परिजनों के साथ रेणुका नदी पर गई। वेदी बनाने के बाद वह स्नान के लिए उतरी। इस दौरान पैर फिसलने की वजह से वह गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। मौके पर भारी भीड़ होने के कारण किसी का ध्यान महिला की ओर नहीं गया। जब कुछ देर बाद महिला का पता नहीं चला तो परिजन उसे तलाशने के लिए नदी में कूद पड़े। काफी देर बाद महिला को पानी से बाहर निकालकर परिजन आननफानन चोपन सीएचसी पहुंचे। वहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर पहुंची ओबरा पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

डीसीएम आने से अनियंत्रित होकर पलटा टेम्पो, 11 की मौत और चार घायल

हरदोई संवाददाता। बिल्हौर कटरा राज्य राजमार्ग पर अचानक सामने आए बाइक सवार को बचाने के लिए डीसीएम चालक ने तेज ब्रेक लगाई। इस कारण डीसीएम पूरी सड़क पर बेड़ा हो गया। इस वजह से सवारियों से भरे ऑटो के चालक ने भी अचानक ब्रेक लगाई। इससे ऑटो पलट गया। ऑटो में सवार 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। एक बाइक सवार भी घायल हुआ है।

दो घायलों को मेडिकल कॉलेज हरदोई में भर्ती कराया गया है। एक को लखनऊ रेफर किया गया है। एक का इलाज सीएचसी में चल रहा है। मृतकों में पांच महिलाएं, दो युवक एक किशोर, दो बच्चियां और एक मासूम शामिल है। इनमें सास–बहू, मां–बेटी, महिला और बेटा भी शामिल है। बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के बिचपुरिया अल्लीगढ़ निवासी रमेश (40) की बहन गीता की मौत मंगलवार देर रात महमूदपुर गांव में हो गई थी। उसके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रमेश बुधवार दोपहर बाइक से जा रहे थे।

बिल्हौर कटरा मार्ग पर रोशनपुर गांव के पास वह नर्सरी की तरफ मुड़ने लगे। इसी दौरान बिलग्राम की ओर से आ रही डीसीएम ने तेज ब्रेक लगाई। इसकी वजह से डीसीएम बेड़ी हो गई और बाइक में टक्कर मार दी। विपरीत दिशा से आ रहे सवारियों भरे ऑटो ने भी डीसीएम को बेड़ा देखकर तेज ब्रेक लगाई और पास में जाकर पलट गया। घटना में बाइक सवार रमेश के अलावा ऑटो में सवार 13 लोगों में से सात की मौके पर ही मौत हो गई। तीन लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलग्राम में और एक को हरदोई मेडिकल कॉलेज में मृत घोषित कर दिया गया।

मृतकों में बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र की इटौली गांव निवासी राजाराम की पत्नी नीलम (60) और उसके भतीजे राकेश की पत्नी राधा (30), राधा की बहन निर्मला (40), मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के मझिगवां गांव निवासी माधुरी (37), माधौगंज थाना क्षेत्र के पटियनपुरवा निवासी आलोक की पत्नी सुनीता (35) और पुत्री आशी (11), माधौगंज कस्बे के पटेलनगर पूर्वी निवासी सत्यम कुशवाहा (20), सुरसा थाना क्षेत्र के सर्रा सथरा निवासी विमलेश (17), सांडी थाना क्षेत्र के गुर्रा गांव की रोशनी (26), उसकी पुत्री वंशिका (1) की पहचान हो गई है।

घायलों में रमेश, माधौगंज थाना क्षेत्र के पहुंतेरा निवासी संजय (37) और उसका पारिवारिक भतीजा आनंद (22) व गुर्रा निवासी बालेश्वर (30) शामिल हैं। रमेश और संजय का इलाज मेडिकल कॉलेज हरदोई में चल रहा है। बालेश्वर का उपचार सीएचसी में चल रहा है। आनंद को लखनऊ रेफर किया गया है।

घटना की जानकारी पर एसपी नीरज कुमार जादौन और अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेंद्र घटनास्थल व सीएचसी पहुंचे। डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायलों से घटना के बारे में जानकारी ली। डीसीएम और ऑटो के चालक की तलाश पुलिस कर रही है। दोनों वाहन पुलिस के कब्जे में हैं। जिलाधिकारी पहले मेडिकल कॉलेज और फिर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद के प्रति आश्वस्त किया।

बिलग्राम क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे का सीएम योगी ने संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही, अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं और घायलो के समुचित उपचार की व्यवस्था करवाने के लिए कहा है।

हरदोई में हुए सड़क हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताया है। मृतकों के आश्रितों को सहायता राशि देने की घोषणा भी की गई है। डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने बताया कि सभी 11 मृतकों के आश्रितों को चार–चार लाख रुपये दिए जाएंगे। इनमें से दो–दो लाख रुपये देने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की, जबकि दो– दो लाख रुपये देने की घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की है। प्रधानमंत्री ने सभी घायलों को पचास पचास हजार रुपये की सहायता राशि दिए जाने की घोषणा की है। सभी घायलों का मुफ्त इलाज कराया जाएगा।

दिवाली–छठ पर चलने वाली विशेष ट्रेनों की अवधि बढ़ी

प्रयागराज संवाददाता। रेल प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए दिवाली छठ के उपलक्ष्य में चलने वाली विशेष गाड़ियों की संचालन अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या–01079 छत्रपति शिवाजी महाराज ट. गोरखपुर एक्सप्रेस का संचालन 11 नवंबर तक किया जाना था, जिसे बढ़ाकर 20 तक कर दिया गया। इसी प्रकार ट्रेन संख्या–01080 गोरखपुर–छत्रपति शिवाजी महाराज ट. का संचालन 13 नवंबर से बढ़ाकर 22 तक किया गया है।

ट्रेन–01143 लोकमान्य तिलक ट. दानापुर एक्सप्रेस भी अब 11 नवंबर की जगह 20 तक संचालित होगी, जबकि ट्रेन–01144 दानापुर–लोकमान्य तिलक ट. 12 की जगह 21 नवंबर तक चलेगी। ट्रेन संख्या– 01145 छत्रपति शिवाजी महाराज ट. आसनसोल साप्ताहिक गाड़ी 11 की जगह 25 नवंबर तक चलाई जाएगी। जबकि ट्रेन–01146 आसनसोल छत्रपति शिवाजी महाराज ट. साप्ताहिक बुधवार 13 की जगह अब 27 तक चलेगी। ट्रेन–01205 पुणे–दानापुर सात नवंबर से बढ़ाकर 17 तक विस्तारित की गई है। वापसी में ट्रेन–01206 दानापुर पुणे नौ की जगह अब 19 तक चलेगी।

ट्रेन–01481 पुणे–दानापुर 11 की जगह अब 20 तक संचालित होगी। जबकि 01482–दानापुर–पुणे 13 की जगह 22 तक चलाई जाएगी। ट्रेन– 01065 छत्रपति शिवाजी महाराज ट. अगरतला साप्ताहिक गाड़ी सात की जगह 21 तक संचालित की जाएगी। ट्रेन–01207 नागपुर–समस्तीपुर साप्ताहिक गाड़ी बुधवार 13 की जगह 20 नवंबर तक चलेगी। ट्रेन–01208 समस्तीपुर–नागपुर, 01492 निजामुद्दीन, ट्रेन–01415 पुणे–गोरखपुर, ट्रेन–01491 पुणे–निजामुद्दीन साप्ताहिक शुक्रवार ट्रेन के संचालन की अवधि भी बढ़ाई गई है।

हाईकोर्ट में याचिका के लिए जाली विवाह प्रमाणपत्र बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़

प्रयागराज संवाददाता। हाईकोर्ट में याचिका के लिए जाली विवाह प्रमाणपत्र बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ का पुलिस ने मंगलवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान कसारी–मसारी निवासी अनिल कुमार प्रजापति और पुराना कटरा निवासी राजा उर्फ शेषमणि दुबे के रूप में हुई है।

आरोपियों के कब्जे से तीन कंप्यूटर और अन्य सामान के अलावा विभिन्न संस्थाओं के जाली विवाह प्रमाणपत्रों की हार्ड व सॉफ्ट कॉपी भी बरामद हुई है। यह खेल हाईकोर्ट के पास न्यायविद हनुमान मंदिर के सामने फोटोस्टेट की दुकान पर चल रहा था। अनिल मूल रूप से पटेल नगर, अंबेडकर नगर का रहने वाला है।

पुलिस के मुताबिक, फिरोजाबाद की शिवानी और इटावा के श्रीकांत ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सुरक्षा की गुहार लगाई। दोनों ने याचिका के साथ आर्य समाज कृष्ण नगर, कीडगंज (कैंप कार्यालय माधवपुर पट्टी खरकौनी, नैनी) से जारी विवाह प्रमाणपत्र संलग्न किया।

हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस ने संस्था के पते पर जाकर जांच की तो पदाधिकारियों ने प्रमाणपत्र को फर्जी बताया। इस पर कैंट थाने में दोनों याचिकाकर्ताओं के खिलाफ धोखाधड़ी व कूटरचना के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई गई। इसी तरह प्रेमी जोड़ों की ओर से सुरक्षा के लिए दाखिल की गईं आठ अन्य याचिकाओं में भी अलग–अलग संस्थाओं के नाम से प्रस्तुत किए गए विवाह प्रमाणपत्र फर्जी पाए जाने पर जिले में आठ और मुकदमे याचिकाकर्ताओं और सहयोगियों पर दर्ज किए गए।

जांच के दौरान पुलिस को खबर मिली कि हाईकोर्ट न्यायविद हनुमान मंदिर के पास स्थित फोटोस्टेट की दुकान से जाली विवाह प्रमाणपत्र मुहैया कराए जा रहे हैं। इस पर सोमवार रात पुलिस अजय इंटरप्राइजेज नामक दुकान पर छापा मारा। यहां तीन जाली विवाह प्रमाणपत्र के साथ कंप्यूटर में उनकी सॉफ्ट कॉपी भी मिलीं। गिरफ्तार दोनों आरोपियों ने बताया कि मोटी रकम लेकर प्रेमी जोड़ों को जाली मैरिज सर्टिफिकेट देते थे।

डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि गिरोह के बदमाश भागकर आने वाले प्रेमी जोड़ों को सुरक्षा दिलाने का दावा कर भरोसे में लेते थे। इसके बाद उनसे 15–20 हजार रुपये ऐंठे जाते थे। जिसके एवज में उन्हें जाली विवाह प्रमाणपत्र मुहैया कराया जाता था। गिरोह में अन्य कौन–कौन लोग शामिल हैं, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। दुकान का मालिक अजय चौरसिया है, वह नहीं मिला है। उसकी भूमिका की भी जांच की जा रही है।

प्रकरण से संबंधित कैंट व कौंधियारा थाने में दर्ज मुकदमों में मोहनपुर लरखोर, सैफई, इटावा निवासी याचिकाकर्ता श्रीकांत निवासी और हरसरनपुर, बरौत, हंडिया निवासी आशीष कुमार जेल भेजे जा चुके हैं। पुलिस का कहना है कि उनसे पूछताछ के बाद टीमें जाली विवाह प्रमाणपत्र मुहैया कराने वाले गिरोह की तलाश में जुटी थीं। गौरतलब है कि इस प्रकरण में जिले में दर्ज सभी मुकदमों में से सात कैंट जबकि एक–एक मुकदमा हंडिया और कौंधियारा थाने में लिखाया गया है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 07 नवंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

तेल की धार जारी है मार

अभी–अभी कमर्शियल गैस कनेक्शन की कीमतों में 62 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि कर दी गई है । सरकार इस बात की बार–बार दुहाई दे रही है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें तघे स्थिर हैं।

2014 में जब सरकार ने तेल की कीमतों में निरंतर वृद्धि की थी और पेट्रोल 59 रुपये प्रति लीटर से उछलते उछलते 108 रुपये तक पहुंचा था, तब बार–बार सरकार यह बताती थी कि तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर है। जैसे–जैसे दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती हैं वैसे–वैसे पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाना सरकार की मजबूरी है। यह नीति मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने तब बनाई थी जब कच्चा तेल 120डालर प्रति बैरेल पर घूम रहा था और कीमतों के दबाव से बचने के लिए उन्होंने आइल पूल डिफिसिट फंड बनाया था वह बाजार के उतार–चढ़ाव को एब्जार्व करता था। इसीलिये कच्चा तेल 124 डालर होने के बावजूद पेट्रोल 58–59 रुपये लीटर मिल रहा था।

अभी–अभी मोदी सरकार के मंत्री हरदीप सिंह पुरी कई तथ्यों के साथ सामने आए हैं । उन्होंने खुलासा किया है कि देश ने जैव ईंधन यानि एथेनाल के मिश्रण से लगभग एक लाख 6 हजार करोड़ की विदेशी मुद्रा बचाई है।विचारणीय है कि

मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने जब एथनाल नीति बनाई थी तो उसका आशय यही था कि आयात निर्भरता घटाकर आम उपभोक्ता को लाभ पहुंचाया जाये ।वर्ष 2014 तक मिश्रित ईंधन की कैलोरिक गुणवत्ता प्रायोगिक और शुरुआती दौर में थी,अतरू एथेनाल का प्रयोग पेट्रोल की कुल खपत का 1.53 फीसदी तक ही था।यह खपत अब 2023–24 में कुल खपत के 15 फीसदी तक पहुंच गई है ।लेकिन इस बचत का लाभ न तो उपभोक्ता को ही मिल रहा है न ही आयात निर्भरता में कमी ही आई है।2014 में हमारी सकल घरेलू खपत के मुकाबले आयात निर्भरता लगभग 70 फीसदी थी जो अब बढ़कर बकौल मंत्री हरदीप सिंह के 88 फीसदी पर पहुंच चुकी है।इसे नौ दिन चले अढ़ाई कोस ही कहा जा सकता है।क्योंकि अगर नीतियां सात–आठ साल में भी परिणाम न दें तो उनकी समीक्षा लाजिम हो जाती है।

इनवेस्टमेंट इनफार्मेशन एंड क्रेडिट कंपनी (ईक्रा) की रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतें 12 फीसदी कम हुईं हधै। रूस ने हमें बाजार से सस्ता क्रूड आइल देकर विगत तीन साल से निहाल किया है ।

इसका लाभ न तो उपभोक्ता को मिला न ही अर्थव्यवस्था को।विभिन्न तकनीकि अनुमान बताते हैं कि अगर एक डालर प्रति बैरेल कच्चे तेल की कीमत घटती है तो कंपनियों को 13 हजार करोड़ की बचत होती है।कच्चा तेल 84 डालर प्रति बैरेल से घटकर 72 डालर पर आ गया है यानि 12 डालर प्रति बैरेल कीमतें गिर गईं हैं।।जबकि

एक सरकारी आंकड़े के अनुसार मार्च से अब तक 15 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल और 12 रुपये प्रति लीटर डीजल पर मुनाफा बढ़ गया है।60 हजार करोड़ की आयात बिल में बचत हुई है।544 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आयी है। देशी सरकारी कंपनियों इंडियन आइल को 39 हजार 619 करोड़,भारत पेट्रोलियम को 26हजार 673 करोड़ एवं हिन्दुस्तान पेट्रोलियम को 14 हजार 694 करोड़ का मुनाफा हुआ है अगर इसी अनुपात में कीमतें भी घटतीं तो परिवहन कास्ट कम से कम 20 फीसदी नीचे आ जाती ।परिवहन घटता तो उत्पादन की कीमतें घटतीं,मंहगाई नीचे आती आम नागरिक के जेब में पैसा बचता तो आर्थिक गतिविधियां तेज होतीं।खपत बढ़ती और इस मुनाफे की खुशी भारत के आम व्यक्ति के चेहरे पर भी झलकती। तेल की कीमतों की बाजार से संबद्धता की नीति भी केवल जुमला साबित हुई है।करोड़ों उभोक्ताओं क्रूड आइल की बढ़ती कीमतों के दौर में में सरकार और कंपनियों का साथ दिया है लेकिन कंपनियाँ घटती कीमतों के दौर में जनता का साथ देने से बच रहीं हैं।जब पतली है तेल की धार तो क्यों जारी है मार ..!!

न शर्म न ह्या संविधान की रोज हत्या. ?

भारतीय आजादी के इस हीरक वर्ष में कभी शविश्वगुरूच का दर्जा प्राप्त हमारा देश अब किसी का शशिष्यच बनने के काबिल भी नही रहा है, यद्यपि हमारे भाग्यविधाता सत्तारूढ़ नेता विश्वभर में जाकर अपनी खुद की प्रशंसा करते नहीं थकते, किंतु वास्तव में हमारी स्थिति उस मयूर जैसी है जो प्रगति के बादल देखकर अनवरत् नाचता है और उपलब्धि के अभाव में बाद में आंसू बहाता है।

आजादी के बाद से हमारे देश में भी राजनीति के अलग–अलग दौर रहे है, जवाहरलाल के जमाने की राजनीति प्रगति की कल्पना पर आधारित थी तो इंदिरा जी के जमाने से सत्ता के लिए सब कुछ करने की राजनीति का दौर शुरू हो गया और उन्होंने अपनी कुर्सी की रक्षा के लिए आपातकाल जैसा कदम उठाया, किंतु आज की राजनीति उसे भी आगे निकल गई है और आज कुर्सी के खातिर संविधान को भी बख्शा नही जा रहा है और वह सब किया जा रहा है, जिससे कुर्सी बची रहे।

ज्लेकिन सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि आजादी के बाद से अब तक सब कुछ बदला किंतु राजनैताओं की सोच और मतदाता की समझ में कोई बदलाव नही आया, आज के राजनेता आजादी के पचहत्तर साल बाद भी चुनाव की उसी लीक पर चल रहे है जो प्रथम चुनाव के समय 1951 में देखी गई थी, आज भी राजनीति वादों और आश्वासनों पर टिकी है और आज के आम मतदाता को राजनेता उसी 1951 वाली नजर से ही देखते है और वैसा ही सलूक करते है, कभी प्रगति और विकास के नाम पर मांगे जाने वाले वोट आज धार्मिक नारों के आधार मांगें जा रहे है, सत्तापक्ष भाजपा यदि आज श्बंटेगें तो कटेगेंच का नारा लगा रहा है तो प्रतिपक्षी दल श्जुड़ेगे तो जीतेगेंच को अपनी जीत का माध्यम बना रहा है, यद्यपि सत्ता व प्रतिपक्ष के इन दोनों का मतलब एक ही है, किंतु दोनों का अपने नारों पर विश्वास अलग है, किंतु दोनों के नारों का लक्ष्य वही एक श्श्कुर्सीच्च है।यहां सबसे दुरूखद यह है कि हमारे संविधान में साफ–साफ लिखा है कि धर्म को राजनीति से बिल्कुल अलग रखेगें, किंतु आज ध र्म और राजनीति का इतना समागम कर दिया है कि अब वोटरों के लिए धर्म और राजनीति दोनों को ही सही अर्थों में समझना मुश्किल हो रहा है, किंतु किया क्या जाए? आज जब सत्ता की कुर्सी ही अहम् हो गई है और उसके लिए अपना सर्वस्व लुटा देने वाली राजनीति शुरू हो गई है, तो इसके सामने सभी तर्क और प्रयास गौंण हो गए है और सबसे अधिक चिंता और खेद की बात यह है कि हमारी नई पीढ़ी या भारत के भविष्य को भी इसी तरह की राजनीति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो चिंताजनक है।

ज्और आज की सबसे बड़ी चिंता व फिक्र की तो यह बात है कि सत्ता की घुरी अर्थात् देश के आम मतदाता को तो उसके भाग्य पर छोड़ दिया है और पांच साल में एक बार लुभावने नारों के साथ उसका द्वार खटखटाया जाता है और फिर उसे भगवान के भरोसे छोड़कर आज की राजनीति के भगवान आराध्य देव की तरह साल में केवल चार महीनें नही बल्कि चार साल के लिए मुंह ढंक कर गहरी निद्रा में खो जाते है, हमारे आम मतदाता अपने जीवन के हर क्षेत्र में चाहे निपुण हो गया हो, किंतु

झारखंड पहुँचा "बंटोगे तो कटोगे" का नारा– कितना होगा असर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नये नारे की लोकप्रियता इसी बात से समझी जा सकती है कि झारखंड से लेकर महाराष्ट्र तक उनके नारे के साथ पोस्टर लगाये जा रहे हैं। झारखंड में 10 बुलडोजरों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया।बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ से त्रस्त झारखंड राज्य के लिए वर्ष 2024 का विधानसभा चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण है। समृद्ध खनिज भंडार वाले इस राज्य की जनसांख्यकी (डेमोग्राफी) में विगत वर्षों में बड़ा असुंतलन व्याप्त हो गया है और पहली बार भारतीय जनता पार्टी ने इस विषय को ही अपना चुनावी विषय बनाया है। साथ ही परिवारवाद व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भ्रष्टाचार के काले कारनामे भी हवा में तैर रहे हैं। हरियाणा विध ानसभा चुनाव परिणाम आने के पूर्व राज्य में एक अलग तरह का वातावरण था क्योंकि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही हरियाणा के चुनाव परिणामों की प्रतीक्षा कर रहे थे। हरियाणा का चुनाव परिणाम आ जाने के बाद देश का राजनैतिक वातावरण एकदम से बदल गया। झारखंड और महाराष्ट्र सहित जहां–जहां विध ानसभा उपचुनाव होने जा रहे हैं सभी जगह एनडीए और इंडी दोनों गठबंधनों का गणित बदल गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नारा "बंटेंगे तो कटेंगे" हरियाणा से होता हुआ बांग्लादेश और कनाडा तक पहुंच गया है। भारतीय जनता पार्टी के नये नारे का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है जिसके कारण जाति के आधार पर हिंदू समाज को विभाजित कर सत्ता हथियाने वाले विपक्षी दलों के चेहरे पर तनाव व्याप्त हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नये नारे की लोकप्रियता इसी बात से समझी जा सकती है कि झारखंड से लेकर महाराष्ट्र तक उनके नारे के साथ पोस्टर लगाये जा रहे हैं। झारखंड में 10 बुलडोजरों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी पहली बार इतनी आक्रामकता के साथ हिंदुत्व की बात करते हुए चुनाव प्रचार कर ही है जिसका नेतृत्व असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा व केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के हाथ में है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता जो अपने राज्य असम में बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या से जूझ रहे हैं ने अपनी चुनावी जनसभाओं में इसे बहुत ही आक्रामक ढंग से उठाया है और वे स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि यह चुनाव किसी विधायक को चुनने का नहीं है अपितु अपना अस्तित्व बचाने का है। जब हम हिंदू बचे रहेंगे तभी तो आपना विध ायक और सांसद चुन सकेंगे, अपनी सरकार चुन सकेंगे। मुख्यमंत्री हिमंता का कहना है कि देश के हर कोने में जहां–जहां बाबर बसे हैं उन्हें ढूंढ ढूंढकर देश से भगाया जाएगा। राज्य में भारतीय जतना पार्टी ने माटी, रोटी और बेटी बचाने का संकल्प लिया है और समाज की चार जातियों महिला, किसान, युवा और गरीब जनता के लिए वादों का पिटारा खोलते हुए उत्तराखंड व गुजरात की तरह राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने का निश्चय व्यक्त किया है। जबकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कहना है कि वह किसी भी कीमत पर समान नागरिक संहिता लागू नहीं होने देंगे। आज झारखंड राज्य की जो दयनीय स्थिति हो गई है उसके पीछे हेमंत सोरेन सरकार का परिवारवाद, उससे पनपा अथाह भ्रष्टाचार और फिर मुस्लिम तुष्टिकरण ही तीन प्रमुख कारण हैं। राज्य का हिंदू व आदिवासी समुदाय तो ईसाई मतांतरण व मुस्लिम लव जिहाद, लैंड जिहाद के जाल में फंसकर अल्पमत में आता जा रहा है। राज्य में मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण हालात यह हो गये हैं कि झारखंड में 100 से अधिक सरकारी स्कूलों में रविवार का अवकाश ही समाप्त कर दिया गया और मुस्लिम बहुल इलाकों के सरकारी स्कूलों में हिंदू बच्चों से कहा गया कि आप हाथ जोड़ कर प्रार्थना मत करिये, यहां पर हाथ जोड़ने वाली परम्परा हटा दी गई हैं क्योंकि हिंदू अल्पसंख्यक हैं। देश के कुछ अन्य हिस्सों की तरह ही झारखंड में भी हिंदू पर्वों पर मुसलमानों द्वारा हमलों की बाढ़ सी आ जाती है। झारखंड की जनता 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह न देख पाए इसलिए मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए जानबूझकर कई जिलों में बिजली सप्लाई तक बाधित कर दी गई थी। राज्य में लव जिहाद के कई क्रूर प्रकरण हिंदू संगठनों की सक्रियता के कारण मीडिया में आ गए किंतु राज्य सरकार हर घटना को दबाती रही। अब झारखण्ड की राजनीति बदलने के लिए हिमंता और शिवराज के साथ यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभाओं का आरम्भ हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी की रैलियों ने वातावरण में जोश भर दिया है। पीएम मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि झारखण्ड विध ानसभा चुनावों में इस बार बांग्लादेशी घुसपैठ के साथ ही रोटी –बेटी और माटी के साथ–साथ नोटों के पहाड़ का मुद्दा भी जोर–शोर से उठाया जाएगा। झारखंड की जनसभाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने परिवारवाद, भ्रष्टाचार, घुसपैठ और आदिवासियों के मुद्दे पर हेमंत सोरेन पर जमकर प्रहार किया। पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के साथ जो व्यवहार किया गया वह भी बीजेपी की जनसभाओं में जनता को याद दिलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर अपने चुनावी हलफनामे में अपनी उम्र को लेकर गलत जानकारी देने का आरोप लग चुका है तथा बीजेपी की ओर से उनका नामांकन रद्द करने तक की मांग गई थी।झारखंड में कमल खिलाने में एक और व्यक्ति जिसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी वो हैं उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो अपनी जनसभाओं में फुल फॉर्म में दिखाई दिए हैं। प्रचार के आरम्भ में ही उन्होंने कहाकि अपनी ताकत का एहसास कराइए जातियों में बंटना नहीं है जाति के नाम पर कुछ लोग बांटेंगे लेकिन आप लोग एक रहिए नेक रहिए। मुख्यमंत्री योगी ने सोरेन सरकार में मंत्री रहे आलमगीर आलम के घर से भारी मात्रा में कैश बरामद होने पर उनकी तुलना औरंगजेब से करी और कहा कि औरंगजेब ने देश को लूटा था मंदिरों को नष्ट किया था, उसी तरह झारखंड मुक्ति मोर्चे का एक मंत्री था जिसका नाम था आलमगीर। आलमगीर आलम जिसके घर से नोटों की गड्डियाँ मिली थीं। आजकल बांग्लादेश से लेकर कनाडा तक हिंदुओं के मदिरों व उनके पर्वों को निशाना बनाते हुए उन पर हमले किये जा रहे हैं। इन हमलों को संज्ञान में लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समग्रता के साथ अपील कर रहे हैं कि अपनी ताकत का अनुभव करवाइए, जातियों में बंटना नहीं है जाति के नाम पर कुछ लोग आपको बांटेंगे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से कांग्रेस व विपक्ष यही काम करती आ रही है। ये लोग बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या आदि को बुला रहे हैं जो एक दिन आपको घर के अन्दर घंटी और शंख भी नहीं बजाने देंगे। इसलिए एक रहिए नेक रहिए। मैं तो कहता हूं कि जब भी बटे हैं निर्ममता से कटे हैं। राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि पिछले दिनों जिस प्रकार कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमला किया गया और फिर वहां की पुलिस ने भी हिंदुओं को ही आरोपी बना डाला उसका स्वयं प्रधानमंत्री ने तीखा विरोध ा किया वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन के किसी भी नेता ने हिंदुओं पर हो रहे हमलो की निंदा तक नहीं की जिसका असर गठबंधन की चुनावी संभावनाओं पर पड़ सकता है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी के नये नारे का ही प्रभाव है कि अब बांग्लादेश से लेकर कनाडा तक का हिंदू पूरी एकजुटता के साथ सड़कों पर उतर कर आंदोलन कर रहा है। कनाडा के हिंदुओं ने भी योगी जी के नारों "बटेंगे तो कटेंगे तथा एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे, नेक रहेंगे" जैसे नारो का उद्घोष कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है। योगी जी के नारों से विपक्षी खेमा हताश है और आरोप लगा रहा है कि बीजेपी ध्रुवीकरण कर सत्ता प्राप्त करना चाहती है। विपक्षी खेमे में की हालत यह है कि योगी जी बोल झारखंड में रहे थे किंतु उन पर पलटवार महाराष्ट्र और लखनऊ से हो रहा था। यह भी माना जा रहा है इस नये नारे से बीजेपी ने कांग्रेस के जातिवाद की राजनीति का तोड़ भी खोज लिया है जिसका प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर निर्माण की बात करते हुए भावुक होकर कांग्रेस व विपक्ष पर हमलावार होते हैं। योगी जी अपनी स्पष्टवादिता

बुरा या सबसे बुरा ?

मंगलवार को किस्मत बदलेगी। कुछ की प्रत्यक्ष तौर पर और कुछ की अप्रत्यक्ष तौर पर। आप और मैं, वे और हम दृ हम सब श्उनसेच्च प्रभावित होंगे। श्उनसेच्च मतलब वे जो अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बनेंगे। कमला हैरेस या डोनाल्ड ट्रंप दृ इनमें से कोई भी राष्ट्रपति बने, पूरी दुनिया पर इसका असर होगा।

मुकाबला कड़ा है, कांटे का है, इतना नजदीकी है कि नतीजे का अनुमान लगाना असंभव है। कमला हैरेस और डोनाल्ड ट्रंप दोनों अपनी–अपनी शैली और रणनीति से मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का प्रयास करते रहे हैं। अपने कुछ श्रोताओं को उन्होंने निराश किया है तो कुछ में उम्मीदें जगाईं। दोनों के चुनाव अभियान दिलचस्प, आकर्षक और मनोरंजक थे दृ शब्दों का मायाजाल था, हाजिरजवाबी थी तो तीखी टिप्पणियां भी थी।

कमला हैरेस के पास माहौल को अपने अनुकूल बनाने के लिए केवल सौ दिन थे। चूंकि वे चुनावी मैदान में देर से उतरी, अतरू उनके पास चुने जाने लायक उम्मीदवार की छवि बनाने के लिए अपेक्षाकृत कम समय था। इस थोड़े से समय में ही उन्होंने अपनी उन्मुक्त हंसी दृ जो चेहरे पर चिपकाई हुई नहीं लगती थी दृ और अपने आशावाद से सभी को मंत्रमुग्ध किया। उनके कारण चुनाव और चुनाव पर चर्चा में कुछ मसाला घुला और एक उबाऊ मुकाबला, दिलचस्प बन गया। इसका नतीजा यह हुआ कि उन्हें अरबों डालर चंदे के रूप में प्राप्त हुए, रिपब्लिकनों तक का अनुमोदन हासिल हुआ, वे लोकप्रिय पोडकास्टों एवं दिन में प्रसारित होने वाले टीवी और न्यूज नेटवर्कों पर अक्सर नजर आने लगीं और प्रभावशाली व्यक्तियों की पहली पसंद बन गईं। ओबामा से लेकर बियॉन्से, टेलर स्विफ्ट से लेकर हैरिसन फोर्ड, इकोनोमिस्ट से लेकर न्यूयार्क टाईम्स तक से कमला हैरिस को समर्थन और अनुमोदन मिला।

और दीपावली आते–आते उनकी जीत पक्की होती नजर आने लगी। हैरिस की ट्रंप पर कुछ प्रतिशत की बढ़त से यह महसूस होने लगा कि बदलाव का क्षण नजदीक आ रहा है।

लेकिन कमला का लगातार अपनी बातों को ट्रंप और उनकी जीत के खतरों पर केन्द्रित रखने और अपने सपनों के अमेरिका के बारे में लगभग कुछ न कहने से उनकी छवि धूमिल हुई है। खासतौर से पिछले कुछ दिनों में। पिछले कुछ समय से वे अपनी ब्रांड की राजनीति के लाभ गिनवाने की बजाय, डोनाल्ड ट्रम्प के खतरे गिनवाने लगी थीं। लोगों को अपनी प्रतिबद्धताओं और अपनी सोच से परिचित करवाने की बजाय वे जो बाइडन द्वारा तैयार की गई धुन गुनगुनाने लगी थीं दृ इस अशांत दौर में अमेरिका पीछे नहीं हट सकता।

इस बीच ट्रम्प वह कहते रहे जो जनता सुनना चाहती थी। उनका हाथ जनता की नब्ज पर था। उन्होंने श्अमरीकीवाद्य की धुन छेड़ डी। उनकी अपील भावनात्मक है, वे अमरीका को फिर से महान बनाने का नारा लगाते हैं, वे राष्ट्रवाद की बात करते हैं और अमेरिकी होने पर गर्व महसूस करने पर जोर देते हैं। वे दर्शन या इतिहास का हवाला नहीं देते। वे किसी मुद्दे की सूक्ष्म पड़ताल में यकीन नहीं रखते। वे मोटी–मोटी बात करते हैं, चिल्लाकर करते हैं और आपको डराते हैं। उनके आलोचक उन्हें पत्थरदिल, विक्षिप्त और तानाशाह बताते हैं दृ एक ऐसा व्यक्ति जो सत्ता में आते ही दुनिया को बर्बाद कर देगा और जो भी थोड़ी–बहुत शांति दुनिया में बनी हुई है, उसे भी खघ्त्म कर देगा। मगर कुछ अन्यों के लिए ट्रम्प मसीहा हैं।

व्यवसायी और पॉडकास्ट मेजबान लांस वल्लानु ने ट्रम्प को श्दैवीय बर्बादीलाल बताया है दृ मतलब यह कि ईश्वर ने ट्रम्प को बर्बादी लाने के लिए चुना है। और हमारी–आपकी क्या बिसात कि हम ईश्वर या उसके प्रतिनिधि की योजना में खलल डाल सकें?

मगर ट्रम्प के भक्तों और राष्ट्रवाद के उपासकों को अगर हम छोड़ भी दें, तब भी यह साफ है कि ट्रम्प लोगों को यह भरोसा दिलवाने में सफल रहे हैं कि उनके कार्यकाल में अमरीका की खासी प्रतिष्ठा थी, दुनिया में कोई युद्ध नहीं चल रहा था, प्रवासी देश में नहीं घुस पाते थे और देश की अर्थव्यवस्था दिन–दूनी, रात–चौगुनी गति से बढ़ रही थी। उन्होंने सफलतापूर्वक यह नैरेटिव गढ़ लिया है कि जो बाइडन ने नेतृत्व में अमरीका की स्थिति डावांडोल है और हैरिस इसमें कोई बदलाव नहीं ला पाएंगी।

कमला हैरिस में आकर्षण और ग्लैमर हैं, उनमें जोश और उत्साह है मगर वे अपने चुनाव प्रचार के दौरान कभी स्वयं को जो बाइडन और उनके कार्यकाल से अलग नहीं कर पायीं। वे लोगों को यह नहीं समझा सकीं कि अगर वे सत्ता में आईं, तो वे अपने हिसाब से काम करेंगीं दृ उनका कार्यकाल बाइडन 2।0 नहीं होगा।

नतीजे में उनकी चमक फीकी पडने लगी। जब कमला हैरिस ने उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी तब क्षितिज पर एक नई सुबह की लालिमा नजर आ रही थी। बाइडन–हैरिस की जोड़ी का कोई काट नहीं है, ऐसा लग रहा था। और लोगों को बाइडन से ज्यादा उम्मीदें हैरिस से थी। मगर उपराष्ट्रपति के रूप में उनका कार्यकाल काफी फीका रहा। उत्साह जाता रहा और निराशा घर करती गई।

इसमें कोई संदेह नहीं कि एक गैर–श्वेत, एक महिला और एक भारतीय मूल के व्यक्ति को अमरीका के शीर्ष पर देखना सचमुच बहुत प्रसन्नता और संतोष का विषय होता दृ उतना ही जितना ऋषि सुनक का यूनाइटेड किंगडम का प्रधानमंत्री बनना था। मगर सच से तो मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। कमला लोगों में अपने प्रति आस्था नहीं जगा पाईं हैं। उनका नेतृत्व चमकदार नहीं नजर आता। वे अपने सतरंगी गठबंधन को ठीक से जोड़ नहीं सकीं हैं। अमरीका के भविष्य और उसके लक्ष्य के बारे में उनकी सोच एकतरफा नजर आती है। इजराइल–गाजा युद्ध के बारे में उनका दृष्टिकोण वे स्पष्ट नहीं कर सकीं हैं। वे कैसी दुनिया चाहती हैं, यह साफ नहीं है।

अगर हैरिस का मुकाबला ट्रम्प को छोड़कर किसी से भी होता तो वे बुरी तरह हारतीं। मगर जब बात भक्ति और ईश्वर के प्रतिनिधि ा की हो तब हैरिस बेहतर विकल्प नजर आतीं हैं। यही कारण है कि उन्हें समर्थन मिला मगर वह उसका पर्याप्त इस्तेमाल नहीं कर पाईं। फिर भी, अगर वे जीत जातीं हैं तो यह सचमुच कमाल होगा।

मंगलवार जो हम सबकी नियति का एक हिस्सा लिखा जाएगा दृ वह बुरा होगा, बहुत बुरा होगा या सबसे बुरा होगा यह देखा जाना बाकी है।

ट्रम्प की जीत को लेकर इमोशनल होने की जरूरत नहीं

हम भारतीय लोग बहुत ज्यादा इमोशनल हैं। हमने डोनाल्ड ट्रंप या कमला हैरिस के पक्ष में अपने–अपने तर्क खोज लिए थे। यहां तक कि पूजा पाठ तक शुरू कर दिया था। लेकिन क्या डोनाल्ड ट्रंप की जीत से हम भारतीयों को बहुत खुश होने की जरूरत है? शायद नहीं! क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप हो या कमला हैरिस, दोनों भारत के हितों को आगे बढ़ाने के लिए चुनाव मैदान में नहीं उतरे थे। दोनों ही नेताओं का लक्ष्य अपने देश में मतदाताओं के हितों की रक्षा करना था। अमेरिका में चुनाव परिणामों का असर भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पड़ेगा, इसमें कोई दो राय नहीं है।

क्या अमेरिका में भारतीय सामान के निर्यात का रास्ता मुश्किल जायेगा? ट्रम्प तो यही कहते आए हैं कि आप्रवासी लोग हमारे लोगों की नौकरियां खा रहे हैं। ट्रम्प बार–बार यह बात कह चुके थे कि वे पहले अपने देश को ठीक करेंगे। उसकी सीमाओं को सुरक्षित करेंगे और वह वही करने वाले हैं।

ट्रम्प ने कहा था कि हमारे पास एक ऐसा देश है जिसे हम जैसे लोगों की मदद की दरकार है। हम चाहते हैं कि हमें हमारे देश के लोगों को और बेहतर नौकरियां दे सकें। अवैध ा रूप से आव्रजन खत्म किया जाना चाहिए।

तो डोनाल्ड ट्रंप की जीत का साफ–साफ अर्थ है कि अमेरिकी आर्थिक नीतियां श्अमेरिका फर्स्टच्च पर केंद्रित होगी। उसी तरह से आगे बढ़ाई जाएंगी। अपने पहले कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के उद्योगों को अच्छा खासा संरक्षण दिया था और भारत और चीन सहित कई देशों के सामान पर भारी मात्रा में टैक्स लगा दिया था। याद है कि भारत में अमेरिकी हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल के आयात पर ड्यूटी घटाने के लिए उन्होंने साफ–साफ कहा था।

चुनाव के प्रचार में उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे अमेरिका फर्स्ट का नारा आगे भी जारी रखेंगे और वे अमेरिकी माल और सेवाओं पर ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं। भारत उसी के दायरे में आ सकता है।

ट्रम्प का मानना रहा है कि भारत (अमेरिका के) कारोबारी नियमों का बहुत ज्यादा उल्लंघन करता है। ट्रंप चाहते थे कि कोई भी चीज अगर अमेरिका से भारत आयात हो तो उस पर 20: तक ही टैक्स लगाया जाए, उससे अधिक नहीं।

भारत और अमेरिका के बीच करीब 200 अरब डॉलर का वार्षिक कारोबार होता है। अगर डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामान पर टैक्स की दरें बढ़ा दी तो उसका नुकसान भारत को हो सकता है। ट्रंप की टैक्स नीतियों के बारे में कहा जाता है कि उससे 2028 तक भारत की जीडीपी में 0.1: तक की गिरावट हो सकती है। यानी 1: का दसवां हिस्सा हमारी जीडीपी का काम हो सकता है। भारत में अमेरिकी आयात भी महंगा हो सकता है।

आसमान में होगा अब तुर्की का राज! दुनिया में सेना ड्रोन बनाने में वर्ल्ड लीडर बना, चीन–अमेरिका परेशान

तुर्की की रक्षा प्रौद्योगिकी और औद्योगिक आधार कुछ क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्तर पर पहुंच गया है। सामने आ रही परियोजनाओं की सफल प्रगति वायु शक्ति के क्षेत्र में एक नई वास्तविकता को दर्शाती है। बायकर द्वारा निर्मित बायरकटर टीबी–2, जिसे "फ्लाइंग कलाश्निकोव" भी कहा जाता है, ने सबसे अधिक सुर्खियाँ बटोरी हैंतुर्की सशस्त्र ड्रोन के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक बन गया है और वे उन्हें बहुत तेजी से बना रहे हैं। तुर्की ने हथियारों के निर्यात का इतना बड़ा भंडार कैसे बनाया और सैन्य उद्योग के लिए इसका क्या मतलब है? तुर्की की रक्षा प्रौद्योगिकी और औद्योगिक आधार कुछ क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्तर पर पहुंच गया है। सामने आ रही परियोजनाओं की सफल प्रगति वायु शक्ति के क्षेत्र में एक नई वास्तविकता को दर्शाती है। बायकर द्वारा निर्मित बायरकटर टीबी–2, जिसे "फ्लाइंग कलाश्निकोव" भी कहा जाता है, ने सबसे अधिक सुर्खियाँ बटोरी हैं, लेकिन तुर्की का ड्रोन कार्यक्रम केवल इतना ही नहीं है। तुर्की ने उच्च–मूल्य वाली संपत्तियों की विस्तृत श्रृंखला को डिजाइन करने में एक प्रतिष्ठित बढ़त बनाई है। ड्रोन युद्ध क्षेत्र में, बायकर का मानव रहित लड़ाकू विमान किजिलेल्मा और कंपनी का उच्च–स्तरीय हथियारों से लैस उच्च–ऊंचाई वाला ड्रोन, अकिंसी, साथ ही तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज का फ्लाइंग विंग, स्टेल्थी मानव रहित लड़ाकू विमान अंका–3 कुछ उदाहरणों के रूप में बड़े हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अंका–3 और किजिलेल्मा को मानवयुक्त विमानों के साथ–साथ वफादार विंगमैन अवधारणा के भीतर उड़ान भरने के लिए डिजाइन किया गया है, जो तकनीकी रूप से छठी पीढ़ी की सामरिक सैन्य विमानन सुविधा है, जो तुर्की रक्षा योजना के भविष्य के क्षितिज को दर्शाती है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार तुर्की ड्रोन निर्माता बायकर उद्योग आपूर्ति श्रृंखला दबावों के बीच अधिक घटक उत्पादन को घर में लाने के लिए संसाधनों को समर्पित कर रहा है, और जेट इंजन विकसित करने के लिए + 300 मिलियन का निवेश करेगा।तुर्की निर्मित बायकर ड्रोन ने यूक्रेन की सेना द्वारा रूसी सेना के खिलाफ और साथ ही अजरबैजान और उत्तरी अफ्रीका में अभियानों में इस्तेमाल किए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर प्रमुखता हासिल की है। कंपनी दुनिया भर में सबसे अधिक ड्रोन निर्यातकों में से एक बन गई है, जिसके हल्के टीबी2 और भारी अकिंसी ड्रोन 35 देशों को बेचे गए हैं। बायकर वर्तमान में यथासंभव अधिक से अधिक घटकों का उत्पादन इन–हाउस लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, सीईओ हालुक बायरकटर ने बुधवार को इस्तांबुल में ।भ। रक्षा प्रदर्शनी के दौरान एक साक्षात्कार में कहा, तुर्की के एयरोस्पेस निर्माता ज्न्ै। पर घातक हमले से कुछ समय पहले। ष्पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला निरंतरता एक प्रमुख मुद्दा है, इसलिए हम इन–हाउस विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। लापता हिस्सा इंजन है और अब हम अपनी खुद की विकास परियोजना शुरू कर रहे हैं। तुर्की की गंभीर वायु शक्ति परियोजनाएँ, जैसे कि उच्च–स्तरीय ड्रोन और उन्नत मानवयुक्त विमान, पश्चिमी देशों को अंतर्राष्ट्रीय हथियार बाजार में अपने महाशक्ति प्रतिस्पर्धियों को संतुलित करने में भी मदद करेंगे। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, 2018 और 2022 के बीच वैश्विक हथियार निर्यात में मास्को और बीजिंग का हिस्सा क्रमशः लगभग 16 प्रतिशत और 5.2 प्रतिशत था, हालाँकि यूक्रेन में उसके असफल आक्रमण के बाद पूर्व का हिस्सा कम हो गया। फिर भी चीन कई क्षेत्रों में नाटो सदस्यों की समग्र हथियार बाजार उपस्थिति के लिए वास्तविक जोखिम बना हुआ है। प्रतिबंधों के कारण अमेरिकी समाधानों की लंबे समय से अनुपस्थिति के बीच चीन ने पहले ही मध्य पूर्वी ड्रोन बाजार को छीन लिया है। खाड़ी और हाल ही में मिस्र को तुर्की की ड्रोन बिक्री ने मानव रहित हवाई प्रणाली खंड में चीनी हिस्सेदारी से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण वापसी की पेशकश की।चीन

अमेरिका परेशान

दुनिया में जितने सैन्य ड्रोन बेचे गए, उनकी बिक्री में अकेले तुर्की की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है, जिसमें चीन का योगदान 26 प्रतिशत है और अमेरिका केवल 8 प्रतिशत के साथ पीछे है। एक्सपर्ट का कहना है कि तुर्की ने अपने घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे तुर्की सैन्य ड्रोन के मार्केट में अगुवा बन चुका है। आने वाले वर्षों में, मध्य पूर्वी मानवयुक्त विमान बाजार में चीन की संभावित उपस्थिति पर नजर रखना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक होगा। इस संबंध में कान कुछ मदद कर सकता है। इसलिए, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि, तुर्की प्रेस में प्रचलित अटकलों के विपरीत, काआन एफ–35 के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा। इसके बजाय, यह मानवयुक्त विमान खंड में एक वैकल्पिक, नाटो–ग्रेड समाधान पेश करेगा जिसे उन देशों को दिया जा सकता है जो एफ–35 नहीं खरीद सकते हैं। जबकि यह सीधे रूस और चीन के लड़ाकू विमानों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा, कोरिया और फ्रांस दोनों इस प्रतियोगिता में शामिल होंगे। फिलहाल, मिलियन–डॉलर का सवाल यह है कि एफ–35 की अनुपस्थिति में खाड़ी मानवयुक्त विमान बाजार पर किसका दबदबा होगा।दुनियाभर में बढ़ रही हैं तुर्की ड्रोन की मांग तुर्की के हमलावर ड्रोन की डिमांड पूरी दुनिया में इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि तुर्की के ड्रोन सस्ते और तेजी से डिलीवर होते हैं। तुर्की के ड्रोन की मारक क्षमता अच्छी होती है। इन ड्रोन का इस्तेमाल यूक्रेन, लीबिया, इराक, सीरिया, अजरबेजान जैसे कई देशों में किया जा रहा है। यूक्रेन ने हाल ही में तुर्की की ड्रोन निर्माता कंपनी बायकर के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हालाँकि समझौते का विवरण गुप्त रखा गया था, लेकिन यूक्रेन रूस के खिलाफ युद्ध में कंपनी द्वारा निर्मित बायकर ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। तुर्की रक्षा आपूर्तिकर्ता एसेलसन, अजरबैजान को एसेलफिलर–500 इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल निगरानी और लक्ष्यीकरण प्रणाली के साथ–साथ टोलुन निर्देशित मिसाइलें भी प्रदान करेगा। दोनों प्रणालियाँ हाल ही में बाकू द्वारा खरीदे गए अकिंची लंबी दूरी के सशस्त्र ड्रोन के लिए हैं। बाकू में अजरबैजान रक्षा प्रदर्शनी में इन सौदों पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण शामिल है। इसके अलावा तुर्की ने मालदीव को अपने प्रसिद्ध लड़ाकू ड्रोन, बायरकटर टीबी2 की आपूर्ति शुरू कर दी है, जबकि यह द्वीप राष्ट्र और भारत के बीच तनाव की स्थिति है। दोनों देशों के बीच हुए समझौते में मालदीव के सशस्त्र बलों की सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक कमांड कंट्रोल स्टेशन और छह टीबी2 मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहनों (यूसीएवी) की आपूर्ति की बात कही गई है।तुर्की की बढ़ती रक्षा क्षमताअंकारा अपने घरेलू रक्षा औद्योगिक आधार में महत्वपूर्ण प्रगति की अपनी प्रवृत्ति को जारी रखते हुए अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर, ज्ञ।।छ का निर्माण कर रहा है, जिसके 2020 के अंत में बड़े पैमाने पर उत्पादन में प्रवेश करने की उम्मीद है। यह मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहनों (न्ब।ट) जैसे कि बायरकटर ज्ठ–2, ज्ठ–3, अंका, अंका–3, किजिलेल्मा लॉयल विंगमैन न्ब।ट, और हवा से हवा, हवा से जमीन, जमीन पर हमला करने वाली बैलिस्टिक, क्रूज और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की एक विविध श्रृंखला के विकास के साथ एक महत्वपूर्ण ड्रोन शक्ति के रूप में भी उभरा है। इन्हें बायकर, एसेलसन, रोकेटसन और टुबिटक–सेज जैसी घरेलू रक्षा एयरोस्पेस कंपनियों द्वारा विकसित किया गया है। उदाहरण के लिए, विकासाधीन सिपर एसएएम प्लेटफॉर्म को एस–400 के बराबर हथियार के रूप में बताया गया है। एसेलसन के सीईओ हालुक गोरगुन ने दावा किया था कि सिपर के चालू हो जाने के बाद तुर्की को एस–400 की "जरूरत नहीं रहेगी।"विश्व की तत्काल स्थिति को देखते हुए क्या प्लानिंग कर रहा हैताजा युद्ध के दौरान तुर्की–एक नाटो राष्ट्र जो बीस से अधिक सोवियत रेड आर्मी डिवीजनों का सामना कर रहा था–दशकों तक शुद्ध हथियार आयातक बना रहा। इस प्रकार, शायद देश का एक प्रमुख हथियार निर्यातक में परिवर्तन, विशेष रूप से ड्रोन युद्ध संपत्ति जैसी उन्नत तकनीकों में, इक्कीसवीं सदी में यूरो–अटलांटिक सुरक्षा मामलों में सबसे महत्वपूर्ण विकासों में से एक है। तुर्की मॉडल सफलताओं और सीमाओं के साथ आता है। तुर्की के शिपयार्ड अब प्रमुख सतह लड़ाकू, फ्रिगेट और कोरवेट डिजाइन करने में सक्षम हैं।

जापान के सत्तारूढ़ गठबंधन ने निचले सदन में बहुमत गंवाया, राजनीतिक अनिश्चितता की स्थिति

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के सत्तारूढ़ गठबंधन ने संसद के 465 सदस्यीय निचले सदन के चुनाव में बहुमत गंवा दिया। ये परिणाम सत्तारूढ़ पार्टी के व्यापक वित्तीय ''घोटालों'' पर मतदाताओं के आक्रोश को दर्शाते हैं। इशिबा की 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' (एलडीपी) जापान की संसद में शीर्ष पार्टी बनी हुई है।तोक्यो । जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के सत्तारूढ़ गठबंधन ने संसद के 465 सदस्यीय निचले सदन के चुनाव में बहुमत गंवा दिया। ये परिणाम सत्तारूढ़ पार्टी के व्यापक वित्तीय ''घोटालों'' पर मतदाताओं के आक्रोश को दर्शाते हैं। इशिबा की 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' (एलडीपी) जापान की संसद में शीर्ष पार्टी बनी हुई है और सरकार में बदलाव की उम्मीद नहीं है लेकिन इन नतीजों से राजनीतिक अनिश्चितता पैदा होती है। इन नतीजों के कारण इशिबा के लिए अपनी पार्टी की नीतियों को संसद में पारित कराना मुश्किल हो जाएगा और उन्हें तीसरा गठबंधन सहयोगी तलाशना पड़ सकता है। एलडीपी गठबंधन का अपेक्षाकृत कम शक्तिशाली ऊपरी सदन में बहुमत बरकरार है। जापानी मीडिया के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन ने साझीदार 'कोमिटो' के साथ मिलकर 215 सीट हासिल कीं जबकि इससे पहले उसके पास 279 सीट थीं। यह 2009 में सत्ता से कुछ समय बाहर होने के बाद से गठबंधन का सबसे खराब चुनावी परिणाम है। जापान की द्विसदनीय संसद में निचला सदन बहुत ताकतवर है। इशिबा ने एक अक्टूबर को पदभार ग्रहण किया था। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती फुमियो किशिदा द्वारा 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' के कदमों के कारण जनता में उपजे आक्रोश को शांत करने में विफल रहने के बाद समर्थन जुटाने की उम्मीद में तुरंत चुनाव का आदेश दिया था। इशिबा ने रविवार देर रात जापान के राष्ट्रीय एनएचके टेलीविजन से कहा, ''हम नतीजों को बहुत गंभीरता से लेते हैं। मेरा मानना घ्है कि मतदाता हमसे कह रहे हैं कि हम और अधिक चिंतन करें और ऐसी पार्टी बनें जो उनकी उम्मीदों पर खरी उतरे।'' इशिबा ने कहा कि एलडीपी अब भी सत्तारूढ़ गठबंधन का नेतृत्व करेगी और प्रमुख नीतियां बनाएगी, एक योजनाबद्ध अनुपूरक बजट तैयार करेगी और राजनीतिक सुधार करेगी। उन्होंने संकेत दिया कि अगर जनता की उम्मीदों के मुताबिक विपक्षी समूहों के साथ सहयोग करना संभव हो तो उनकी पार्टी इसके लिए तैयार है।

हमने गाजा में दो दिन के संघर्ष विराम और चार बंधकों की रिहाई का प्रस्ताव रखा है।

मिस्र के राष्ट्रपति ने कहा कि उनके देश ने इजराइल और हमास के बीच दो दिन के संघर्षविराम का प्रस्ताव रखा है और इस दौरान गाजा में बंधक बनाए गए चार लोगों को रिहा कर दिया जाएगा। अब्देल–फतेह अल सीसी ने कहा कि प्रस्ताव में कुछ फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और गाजा पट्टी में मानवीय सहायता पहुंचाना भी शामिल है।

रमत हशारोन (इजराइल) । मिस्र के राष्ट्रपति ने कहा है कि उनके देश ने इजराइल और हमास के बीच दो दिन के संघर्षविराम का प्रस्ताव रखा है और इस दौरान गाजा में बंधक बनाए गए चार लोगों को रिहा कर दिया जाएगा। राष्ट्रपति अब्देल–फतेह अल सीसी ने काहिरा में कहा कि प्रस्ताव में कुछ फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और गाजा पट्टी में मानवीय सहायता पहुंचाना भी शामिल है। कतर और अमेरिका के साथ मिस्र एक प्रमुख मध्यस्थ रहा है। यह पहली बार है जब मिस्र के राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से ऐसी योजना प्रस्तावित की है। हालांकि, इस प्रस्ताव पर इजराइल या हमास की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अल–सिसी ने कहा कि प्रस्ताव का उद्देश्य स्थिति को बेहतर करने का मार्ग प्रशस्त करना है। उन्होंने कहा कि एक बार दो दिवसीय संघर्षविराम लागू हो जाने के बाद इसे स्थायी बनाने के लिए बातचीत जारी रहेगी। इस बीच, इजराइल की खुफिया एजेंसी 'मोसाद' के प्रमुख कतर के प्रधानमंत्री और सीआईए प्रमुख के साथ बातचीत के लिए रविवार को दोहा रवाना हुए।

पाकिस्तान में पोलियो के मामले बढ़ने के बाद एक और टीकाकरण अभियान शुरू

पोलियो के नये मामले सामने आने के बाद पाकिस्तान सरकार ने देशभर में नया टीकाकरण अभियान शुरू किया ताकि देश के 4.5 करोड़ बच्चों को पोलियो की गिरफ्त में आने से बचाया जा सके। पाकिस्तान में नियमित रूप से टीकाकरण अभियान संचालित किया जाता है लेकिन स्वास्थ्यकर्मियों और उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने वाले पुलिसकर्मियों पर आतंकवादी हमले होते रहते हैं।इस्लामाबाद । पाकिस्तान में पोलियो के नये मामले सामने आने के बाद सरकार ने देशभर में सोमवार को नया टीकाकरण अभियान शुरू किया ताकि देश के 4.5 करोड़ बच्चों को पोलियो की गिरफ्त में आने से बचाया जा सके। पाकिस्तान में नियमित

रूप से टीकाकरण अभियान संचालित किया जाता है लेकिन स्वास्थ्यकर्मियों और उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने वाले पुलिसकर्मियों पर आतंकवादी हमले होते रहते हैं। उग्रवादी झूठा दावा करते हैं कि पश्चिमी साजिश के तहत नसबंदी कराने के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जाता है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाहकार आयशा रजा फारूक ने बताया कि पोलियो के मामलों में वृद्धि हो जाने के कारण इस साल तीसरी बार टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है जो रविवार तक जारी रहेगा। उन्होंने एक बयान में कहा कि इस बार हम पोलियो से लड़ने के लिए और जोर–शोर से अभियान चला रहे हैं। फारूक ने बताया कि पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को घर–घर जा कर टीका लगाया जाएगा तथा उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विटामिन ए की खुराक दी जाएगी। शरीफ ने हाल ही में स्वास्थ्यकर्मियों से मुलाकात की तथा उनसे कहा कि वह घर–घर जा कर पोलिया के लिए टीका लगाए जिससे कोई भी बच्चा वंचित न रह सके। फारूक ने बताया कि इस साल अब तक पाकिस्तान के 71 जिलों में पोलियो के 41 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से ज़्यादातर मामले दक्षिण–पश्चिमी बलूचिस्तान और दक्षिणी सिंध प्रांत से सामने आए हैं। इसके बाद खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और पूर्वी पंजाब प्रांत से मामले सामने आए हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से जुड़े 8 सवाल और उनके जवाब

रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प दूसरे कार्यकाल के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस बार दोबारा चुने जाने पर रियल एस्टेट मुगल दूसरे सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति बन सकते हैं। 78 वर्षीय ने ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस को अपने उप–राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में चुना। राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा फिर से चुनाव में उतरने के फैसले से बैकआउट करने के बाद उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के ऊपर डेमोक्रेटिक पार्टी ने अपना भरोसा जताया है। पूर्व अमेरिकी सीनेटर, कैलिफोर्निया अटॉर्नी जनरल और सैन फ्रांसिस्को अभियोजक हैरिस अगर जीतती हैं तो देश के 248 साल के इतिहास में राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने वाली पहली महिला बन सकती हैं। उन्होंने मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज को अपने साथी के रूप में चुना है। दूसरी ओर, रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प दूसरे कार्यकाल के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस बार दोबारा चुने जाने पर रियल एस्टेट मुगल दूसरे सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति बन सकते हैं। 78 वर्षीय ने ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस को अपने उप–राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में चुना।इस स्तर पर, हैरिस और ट्रम्प के बीच प्रतिस्पर्धा कड़ी बनी हुई है। यूएस प्रेसिडेंशियल इलेक्शन पर दुनियाभर की निगाहें टिकी हैं। अमेरिकी चुनावों और राष्ट्रपति पद के बारे में कुछ दिलचस्प तथ्यों के बारे में आपको बताते हैं।1. संयुक्त राज्य अमेरिका के 18वें राष्ट्रपति यूलिसिस एस ग्रांट को 1872 में वाशिंगटन डीसी में अपनी घोड़ा–गाड़ी में तेज गति से गाड़ी चलाने के लिए गिरफ्तार किया गया था। उनका 20 डॉलर का चालान भी काटा गया था।2. अमेरिका के सबसे लंबे राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन थे जिनकी लंबाई 6 फीट 4 इंच थी। सबसे छोटा जेम्स मैडिसन 5 फीट 4 इंच का था।3. जॉर्ज वाशिंगटन एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति थे जिन्होंने किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधित्व नहीं किया। वह सर्वसम्मति से चुने गए एकमात्र राष्ट्रपति भी हैं।4. 1845 में अमेरिकी कांग्रेस ने नवंबर के पहले सोमवार के बाद पहले मंगलवार को चुनाव दिवस के रूप में नामित करने

वाला एक संघीय कानून पारित किया।5. 1874 में राजनीतिक कार्टूनिस्ट थॉमस नैश ने एक व्यंग्यपूर्ण कार्टून में रिपब्लिकन हाथी और डेमोक्रेटिक गधे को पेश किया और ये प्रतीक जल्द ही पार्टियों के साथ व्यापक रूप से जुड़ गए।6. व्हाइट हाउस को हमेशा व्हाइट हाउस नहीं कहा जाता था। 1901 से पहले, इसे राष्ट्रपति महल, राष्ट्रपति भवन और कार्यकारी हवेली के नाम से जाना जाता था।7. 1901 में थियोडोर रूजवेल्ट राष्ट्रपति बने और आधिकारिक तौर पर इसका नाम व्हाइट हाउस रखा। 8. हिलेरी क्लिंटन किसी प्रमुख पार्टी का नामांकन जीतने वाली पहली महिला हैं।

राष्ट्रपति पद के लिए दौड़ने वाली पहली महिला विक्टोरिया वुडहुल थीं, जो 1872 में अमेरिका में सफ्रागेट आंदोलन की नेता थीं।

एलएसी पर पहली चाल में सैनिकों की वापसी.. अब चीन से दोस्ती पर भारत का चौंकाने वाला बयान

एलएसी पर पैट्रोलिंग को लेकर भले ही भारत और चीन के बीच बात बन गई है। लेकिन दोनों देशों के बीच मुद्दे अभी भी सुलझे नहीं हैं। चीन के साथ सफल समझौते को लेकर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने अपने बयान में कहा कि बहुत ही अकल्पनीय था।चीन के साथ लद्दाख में देपसांग और डेमचोक पर सालों से चल आ रही तनातनी लगभग खत्म हो चुकी है। लंबी बातचीत के बाद दोनों देशों ने इस मुद्दे का हल निकाल लिया है। दोनों जगहों से भारत और चीन के सैनिक पीछे हटेंगे। लेकिन अगर आपको भी ये लगता है कि लद्दाख में विवाद सुलझने के बाद भारत और चीन के बीच दोस्ती हो गई है तो ऐसी गलतफहमी पालना बेइमानी होगी। इस बात का संकेत डॉ. एस जयशंकर ने अपने बयान में दिया है। उन्होंने बताया है कि कैसे चीन के साथ भारत का विवाद अभी भी सुलझा नहीं है। भारत ये जानता है कि चीन कितना चालाक है और उसकी चालाकी में भारत नहीं फंसेगा। ये भी वो अच्छी तरह से समझता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिर एक बार चीन को लेकर ऐसा बयान दिया जिसके जरिए पूरी दुनिया तक साफ संकेत पहुंच गया है। ये बयान दुनिया को बताने के लिए काफी है कि भारत चीन के साथ दोस्ती वाली चाल में नहीं फंसा है।एलएसी पर पैट्रोलिंग को लेकर भले ही भारत और चीन के बीच बात बन गई है। लेकिन दोनों देशों के बीच मुद्दे अभी भी सुलझे नहीं हैं। चीन के साथ सफल समझौते को लेकर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने अपने बयान में कहा कि बहुत ही अकल्पनीय था। ये चतुर कूटनीति का ही परिणाम था। जयशंकर ने पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि पीछे हटने का यानी नए कदमों को उठाने का ये समझौता था। दोनों ने तय किया कि देपसांग और डेमचोक पर गश्त होगी। इससे हमें अगले कदम पर विचार करने का मौका मिलेगा। ऐसा नहीं है कि सबकुछ हल हो गया है। लेकिन पीछे हटना जो पहला चरण है, हम उस स्तर तक पहुंचने में कामयाब रहे हैं। यानी ये संकेत साफ बता रहा है कि भारत और चीन के बीच भले ही एलएसी पर पैट्रोलिंग को लेकर विवाद सुलझ गया हो। लेकिन दोनों देशों के बीच जो लंबे समय से आ रहे विवाद हैं वो भी बरकरार हैं। चीन की चालाकी में भारत को अब फंसना नहीं है। रूस के कजान में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हाल ही में पीएम मोदी ने मुलाकात की थी। ये तय हुआ कि दोनों देशों के

रुक जाओ... इजरायल–ईरान की जंग में कूदा भारत, कर दिया बड़ा ऐलान

भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसको लेकर रिएक्शन दिया। विदेश मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि इस तनाव से क्षेत्र और स्थिरता पर असर पड़ रहा है। ईरान पर इजरायल के ताबड़तोड़ हमले के बाद पूरी दुनिया से इसे लेकर प्रतिक्रिया आ रही है। मीडिल ईस्ट में इस्लामिक देशों ने ईरान का समर्थन करने का ऐलान कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका खुले तौर पर इजरायल का समर्थन कर रहा है और कह रहा है कि अगर ईरान ने इजरायल पर हमला किया तो अमेरिका उसके बचाव में आ जाएगा। इजरायल और अमेरिका मिलकर इस वक्त ईरान को तोड़ने में लगे हैं। इन सब के बीच टेंशन भारत को रही है। इस जंग में भारत की एंट्री भी हो गई है। इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग को देखते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से दोनों को हिदायत भी दी गई है। अपील की गई कि इस युद्ध को रोक दिया जाए। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसको लेकर रिएक्शन दिया। विदेश मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि इस तनाव से क्षेत्र और स्थिरता पर असर पड़ रहा है। निश्चित तौर पर दुनिया में इजरायल और ईरान के बीच जंग के बाद से तनाव बढ़ चुका है।

दलीप ट्राफी राउंड 2 में श्रेयस अय्यर पड़े फिके, 7 गेंदों पर बिना खाता खोले लौटे पवेलियन

अय्यर ने फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट मैच खेला था। निरंतरता में कमी के चलते उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच में जगह नहीं मिली। दलीप ट्रॉफी में अच्छा परफॉर्म कर उनके बाद बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जगह बनाने का मौका था। श्रेयस अय्यर की टेस्ट टीम में वापसी को लेकर अभी उनको और उनके फैंस को इंतजार करना पड़ेगा। दरअसल, दलीप ट्रॉफी में उनके पास स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में शानदार प्रदर्शन करने का मौका है, मगर फिलहाल वह एक भी मौके को बुना नहीं पाए हैं। राउंड–2 में इंडिया ए के खिलाफ तो उन्होंने हद ही कर दी। वह दबंग बनने के चक्कर में काला चश्मा लगाकर बैटिंग करने उतरे, लेकिन उनकी हेकड़ी खलील अहमद ने निकाल दी। अय्यर ने 7 गेंदों पर बिना खाता खोले आउट हो गए। बता दें कि, दलीप ट्रॉफी में अय्यर ने अभी तक तीन पारियां खेली हैं। पहले मैच में उन्होंने फिफ्टी जड़ी थी लेकिन उसके बाद उन्होंने सिर्फ 9 रन बनाए थे। लेकिन इस बार अय्यर जब बल्लेबाजी करने आए तो वो चश्मा पहनकर आए थे जिसके बाद ट्रोल होने लगे। फैंस को उनका चश्मा पहनकर बल्लेबाजी करना बिलकुल भी पसंद नहीं आया।

अफगानिस्तान– न्यूजीलैंड टेस्ट बिना गेंद डले हुआ रद्द, 91 साल में पहली बार हुआ ऐसा

एकमात्र टेस्ट मैच अधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया है। ये मैच बिना गेंद डले रद्द हुआ, यहां तक की दोनों कप्तान भारी बारिश और गीला मैदान होने की वजह से टॉस के लिए भी मैदान पर नहीं उतर पाए। इसी के साथ टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ये मात्र 8वां घटना है जब कोई टेस्ट मैच बिना गेंदें डले रद्द हुआ हो। अफगानिस्तान वर्सेस न्यूजीलैंड एकमात्र टेस्ट मैच अधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया है। ये मैच बिना गेंद डले रद्द हुआ, यहां तक की दोनों कप्तान भारी बारिश और गीला मैदान होने की वजह से टॉस के लिए भी मैदान पर नहीं उतर पाए। इसी के साथ टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ये मात्र 8वां घटना है जब कोई टेस्ट मैच बिना गेंदें डले रद्द हुआ हो। वहीं 21वीं सदी में ऐसा पहली बार हुआ है। इसी के साथ अफगानिस्तान वर्सेस न्यूजीलैंड टेस्ट रद्द होने से एक और रिकॉर्ड भी बना। 91 साल के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ये टेस्ट एशिया में बिना गेंद डले रद्दे होने वाला पहला मैच बना है। जी हां, अभी तक रद्द हुए 7 टेस्ट एशिया के बाहर के थे। बिना गेंद डले रद्द हुए मैचों की लिस्ट में न्यूजीलैंड का ये लगातार दूसरा मुकाबला है। अफगानिस्तान से पहले भारत के खिलाफ 1998 में कीवी टीम ने 5 दिन ड्रेसिंग रूप में ही बिताए थे। टेस्ट नंबर–34– ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर टेस्ट नंबर 34– बारिश के कारण रद्द होने वाला पहला मैच था। इस मैच का टॉस भी नहीं हुआ था। टेस्ट नंबर 264– ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर टेस्ट नंबर 264 भी बारिश के कारण रद्द हो गया। कोई टॉस नहीं हुआ था। टेस्ट नंबर 764– ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड।टेस्ट नंबर 675 के दौरान जैसे ही खिलाड़ी मैदान में प्रवेश कर रहे थे, बारिश शुरू हो गई। डब्ब मैनेजर, ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड और 2 डब्ब अधिकारियों के बीच चर्चा हुई और ये निष्कर्ष निकाला गया कि सीमित ओवरों का खेल मैच जाना चाहिए और बाद में इस मैच को पहला वनडे माना गया।

पीयूष चावला ने बताया रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या की कप्तानी में फर्क, जानें क्या कहा ?

पीयूष चावला ने रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या की कप्तानी में अंतर के बारे में बातचीत की। पीयूष चावला इन दोनों खिलाड़ियों की कप्तानी में मुंबई के लिए खेल चुके हैं। मुंबई ने आईपीएल 2024 में कप्तानी में बड़ा बदलाव किया था और रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले लेग स्पिनर पीयूष चावला ने रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या की कप्तानी में अंतर के बारे में बातचीत की। पीयूष चावला इन दोनों खिलाड़ियों की कप्तानी में मुंबई के लिए खेल चुके हैं। मुंबई ने आईपीएल 2024 में कप्तानी में बड़ा बदलाव किया था और रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। हार्दिक की कप्तानी में मुंबई का प्रदर्शन खराब रहा था और ये टीम 10वें नंबर पर रही थी। पीयूष चावला ने शुभंकर मिश्रा के यूट्यूब चौनल रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या की कप्तानी के अंतर के बारे में बात करते हुए बताया कि हर किसी की कप्तानी करने की अपनी शैली होती है। पीयूष चावला ने आईपीएल 2024 के अलग–अलग मैचों का उदाहरण देते हुए कहा कि इस सीजन में हार्दिक की कप्तानी में कोई कमी नहीं थी, लेकिन उन्होंने अच्छी क्रिकेट नहीं खेली। दोनों की कप्तानी में क्या फर्क है इस पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि अंतर.. मैं ऐसा नहीं कह सकता। हर किसी के सोचने का अपना तरीका होता है, हार्दिक का तरीका अलग है। हार्दिक वही कप्तानी हैं जिनकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस विनर बनी थी और उप विजेता रही थी, तो ऐसा नहीं है। पीयूष चावला ने आगे कहा कि टी20 में बात गति की होती है और इसमें चीजों को चुनना साथ ही चीजों का क्लिक होना शामिल है।

अगर हम देखें तो केकेआर चौंपियन बन गया, फाइनल में हैदराबाद के साथ उनका मैच था और उस मैच में कुछ भी उनके पक्ष में नहीं जाना चाहिए था। क्लासेन ने हर्षित राणा के खिलाफ बढ़त हासिल की, लेकिन आउट हो जाए। अगर वो मैच हार जाते तो चीजें बदल जाती।

कब और कहां देखें भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत ? जानें हेड टू हेड रिकार्ड्स

14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच हॉकी मैच खेला जाएगा। इस बार दोनों टीमें हॉकी मैदान में आमने सामने होने जा रही है, एशियन चौंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारत का मुकाबला चिरप्रतिद्वंदी पाकिस्तान से कल खेला जएगा। इस महामुकाबले में पाकिस्तान की टीम के लिए जीत बेहद अहमद होगी, ऐसे में मैच का रोमांच और बढ़ा जाता है। भारतीय हॉकी टीम के लिए शनिवार यानी 14 सितंबर का दिन बेहद अहम है। इस दिन भारत और पाकिस्तान के बीच हॉकी मैच खेला जाएगा। इस बार दोनों टीमें हॉकी मैदान में आमने सामने होने ज भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय टीम ने अब तक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और अपराजेय रही है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत चीन को 3–0 से हराकर की, फिर जापान और मलेशिया को 5–0 और 8–1 से शिकस्त दी। इसके बाद सेमीफाइनल में जगह पक्की करते हुए कोरिया को 3–1 से मात दी। दूसरी ओर पाकिस्तान ने मलेशिया और कोरिया के खिलाफ 2–2 से ड्रॉ खेला और फिर जापान को 2–1 से हराया। पाक टीम ने चीन को 5–1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बरकरार रखी है। कब खेला जाएगा भारत और पाकिस्तान के बीच हॉकी मैच?भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर दोपहर 1रू15 बजे भारतीय समयानुसार मुकाबला होगा। इस मैच का सीधा प्रसारण वदल चवतजे ज्मद नेटवर्क पर किया जाएगा और इसे वदल स्पअ ऐप पर भी लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। साल 2013 से अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच कुल 25 मुकाबले खेले गए हैं। जहां भारत का पलड़ा भारी रहा है, टीम ने 16 मुकाबले जीते हैं। वहीं पाकिस्तान ने केवल 5 मैच जीते हैं जबकि 4 मैच ड्रॉ रहे हैं।

जब नवदीप सिंह के सामने जमीन पर बैठे थे पीएम मोदी, गोल्ड मेडलिस्ट ने पहनाई कैप

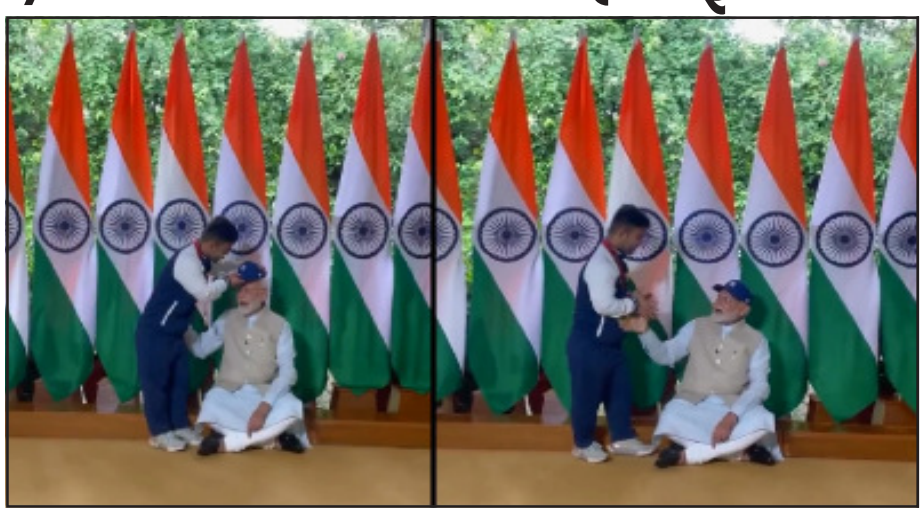

नवदीप सिंह ने पेरिस पैरालंपिक गेम्स 2024 में जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता और देश का नाम रोशन किया। 23 साल के नवदीप सिंह ने पैरालंपिक गेम्स के जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के लिए पहली बार गोल्ड मेडल जीतने का कमाल किया और ये उनका किसी पैरालंपिक गेम्स में भी पहला व्यक्तिगत गोल्ड मेडल भी रहा। भारतीय पैरा एथलीट्स नवदीप सिंह ने पेरिस पैरालंपिक गेम्स 2024 में जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता और देश का नाम रोशन किया। 23 साल के नवदीप सिंह ने पैरालंपिक गेम्स के जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के लिए पहली बार गोल्ड मेडल जीतने का कमाल किया और ये उनका किसी पैरालंपिक गेम्स में भी पहला व्यक्तिगत गोल्ड मेडल भी रहा। नवदीप सिंह की इस उपलब्धि के बाद भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने उनसे मुलाकात की। पीएम मोदी और नवदीप सिंह की मुलाकात का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें साफ दिख रहा है कि पीएम मोदी कितने सरल तरीके से उनसे बातें कर रहे हैं। इस दौरान पीएम ने नवदीप सिंह की इच्छा पूरी भी की। पीएम मोदी और नवदीप सिंह का जो वीडियो सामने आया है। उसमें भारतीय पैरा एथलीट उनसे कहते हैं कि सर, मैं आपको कैप पहनाना चाहता हूं। इसके बाद पीएम मोदी कहते हैं कि तुमने अपना वीडियो देखा है। क्या लोग कह रहे हैं, सब लोग डरते हैं। इस पर नवदीप कहते हैं कि जोश जोश में थोड़ा सा। इसके बाद पीएम मोदी कहते हैं कि मुझे कैप पहनाना चाहोगे, मैं यहां बैठता हूं, तुम पहनाओ। इसके बाद पीएम नीचे बैठ जाते हैं। फिर नवदीप पीएम मोदी को कैप पहनाते हैं और उसके बाद पीएम मोदी उनसे हाथ मिलाते हुए कहते हैं, वाह लग रहा है ना कि तुम बड़े हो। फिर दोनों खूब हंसते हैं।

योगेश कथुनिया ने प्रधानमंत्री मोदी से कही दिल की बात, कहा– आप हमारे

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर पेरिस पैरालंपिक के भारतीय दल से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया, युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया भी मौजूद थे। पेरिस पैरालंपिक में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद भारतीय पैरा एथलीटों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने अपने अनुभव भी शेयर किए। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर पेरिस पैरालंपिक के भारतीय दल से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया, युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया भी मौजूद थे। इस मुलाकात के दौरान जूडो में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाले पैरा एथलीट कपिल परमार ने पीएम मोदी को ब्लैक बेल्ट भेंट की। वहीं पुरुषों की डिस्कस थ्रो ध्56 फाइनल में सिल्वर मेडल जीतने वाले योगेश कथुनिया ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना दोस्त बताया है जो हमेशा उनका साथ देते हैं। पीएम मोदी से बातचीत के दौरान योगेश ने कहा कि लोगों के लिए पीएम का मतलब प्रधानमंत्री होता है, लेकिन मेरे लिए इसका मतलब परम मित्र होता है। आप हमारे लिए एक दोस्त की तरह हैं, जो हमेशा हमारा साथ देते हैं। पीएम मोदी के साथ बातचीत का सभी ने आनंद लिया। पुरुषों की भाला फेंक सिल्वर मेडलिस्ट अजीत सिंह यादव ने बताया कि पीएम मोदी ने उन्हें ऑटोग्राफ दिया। अजीत ने कहा कि, मैं सिल्वर मेडल जीतकर बहुत खुश हूं।

कुर्ती खरीदते समय इन बातों का रखें खास ख्याल, दिखेंगी स्टाइलिश और हाइट भी लगेगी ज्यादा

घर से लेकर ऑफिस तक में महिलाएं कुर्तियां पहनना पसंद करती हैं। कुर्ती आरामदायक होती है। ऑनलाइन शॉपिंग बेवसाइट से लेकर मार्केट तक में आपको हर रंग, पैटर्न और प्रिंट की कुर्तियां मिल जाएंगी।

लड़की हो या महिला कुर्तियां पहनना लगभग सभी को पसंद होता है। घर से लेकर ऑफिस तक में महिलाएं कुर्तियां पहनना पसंद करती हैं। कुर्ती आरामदायक होती है। साथ ही आप इसको प्लाजो, जींस या लैगिंग्स के साथ भी कैरी कर सकती हैं। हर किसी के साथ कुर्ती का अलग लुक आता है। ऑनलाइन शॉपिंग बेवसाइट से लेकर मार्केट तक में आपको हर रंग, पैटर्न और प्रिंट की कुर्तियां मिल जाएंगी। हालांकि अगर आप कुर्ती पहनकर लंबी लगना चाहती हैं और साथ ही परफेक्ट लुक पाना चाहती हैं। तो आपको कुर्तियां खरीदने के दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासतौर पर यदि आपकी हाइट कम है, तो आपको कुर्ती खरीदने के दौरान कुछ बातों को जहकुर्ती खरीदने के दौरान इसकी लंबाई का खास ख्याल रखना चाहिए। लंबी लेंथ वाली कुर्ती में हाइट ज्यादा नहीं लगती है। जबकि सिर्फ घुटनों तक या उससे ऊपर तक आने वाली कुर्ती आपको खूबसूरत दिखाने में मदद करती है। साथ ही इस तरह की कुर्ती में आपकी हाइट भी ज्यादा लगेगी।अगर आप ढीली–ढाली कुर्तियां पहनती हैं, तो आपकी हाइट कम लगेगी। वहीं अगर आप फिटिंग वाली कुर्ती वियर करती हैं, तो यह आपके फिगर को परफेक्ट दिखाता है और आप लंबी नजर आएंगी।अगर आपकी हाइट कम है, तो आपको हमेशा वर्टिकल स्ट्राइप्स वाली कुर्ती पहननी चाहिए। बता दें कि वर्टिकल लाइनें आपकी हाइट को बढ़ाकर दिखाता है। वहीं अगर आप हॉरिजॉन्टल स्ट्राइप्स वाली कुर्ती पहनती हैं, तो इसमें आपकी हाइट कम लगेगी। अगर आप भी लंबी दिखना चाहती हैं, तो हमेशा शॉर्ट स्लीव्स या 3ध्4जी स्लीव्स वाली कुर्ती पहननी चाहिए। क्योंकि फुल स्लीव्स आपकी हाइट को और भी कम दिखा सकती है। कुर्ती खरीदने के दौरान इसके रंग का खास ध्यान रखना चाहिए। हमेशा मोनोक्रोमैटिक या डार्क रंगों वाली कुर्ती चुनें। यह आपके शरीर को स्लिम और लंबा दिखाने में मदद करती है।अगर आप बड़े प्रिंट्स वाली कुर्तियां खरीद रही हैं, तो इसमें आपकी हाइट कम लग सकती है। इसलिए हमेशा छोटे प्रिंट्स वाली कुर्ती खरीदें क्योंकि इसमें आपकी हाइट ज्यादा लगेगी।

फेस स्किन को ग्लो देंगे ये अमेजिंग फेस टोनर, एजिंग इफेक्ट को कर देंगे स्लो डाउन

फेस सीरम हमारे चेहरे को न्यूट्रिशन देकर त्वचा को खराब होने से बचाने में मदद करता है। आज हम आपको बेस्ट क्वालिटी के फेस टोनर के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह आपकी स्किन के लिए परफेक्ट हैं। फेस सीरम हमारे चेहरे को न्यूट्रिशन देकर त्वचा को खराब होने से बचाने में मदद करता है। हालांकि फेस को रिफ्रेश करने के लिए सैलून जाकर महंगे ट्रीटमेंट लेते हैं। लेकिन अब मार्केट में कई ऐसे फेस टोनर मिलती हैं, जो मिनटों में आपके फेस को जरूरी न्यूट्रिशन दे सकते हैं। यह टोनर आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखते हैं और बदलते मौसम के कारण खराब नहीं होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बेस्ट क्वालिटी के फेस टोनर के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह आपकी स्किन के लिए परफेक्ट हैं। टपसओी जवतम का मिल्क ड्रॉप सीरम स्किन पोर्स को कम करता है। जो त्वचा तो हाइड्रेट रखता है और पीएच लेवल बैलेंस कर फेस ऑयल को सोख लेता है। इसमें राइस मिल्क इस्तेमाल किया जाता है। इस टोनर में अर्थ मरीन वाटर और मरीन एल्गी एक्सट्रैक्ट का इस्तेमाल किया गया है और अल्फा अर्ब्यूटिन डार्क स्पॉट को खत्म करता है। जिससे फेस का कॉम्प्लेक्शन सुधरता है। इसको रेगुलर इस्तेमाल करने से फेस की झाइंया हटाने में मदद मिलती है। यह फेस टोनर स्प्रे फॉर्म में आता है। थ्वतमेज म्मदजपंसे का फेस टोनर त्वचा को रिफ्रेश करता है और पोर्स को टाइट करता है। जिससे चेहरे की डलनेस दूर होती है। यह अल्कोहल फ्री टोनर है। जो ऑयली स्किन और एक्ने प्रो त्वचा के लिए बेस्ट माना जाता है। यह टोनर ब्लैकहेड्स और व्हाइट हेड्स को हटाने का काम करता है। इस फेस टोनर को रोजाना इस्तेमाल करने से फेस पर निखार आता है। ठपव–मेमदबम का य के लिए नियासिनअमाइड, जापानी रोज एक्सट्रैक्ट और ह्यालूरोनिक एसिड से भरपूर है। यह सभी तरह की स्किन के लिए परफेक्ट होता है। यह टोनर पोर्स को टाइट कर फेस की टोनिंग करता है। इसमें एंटी एजिंग क्वालिटी भी होती है। यह आपकी त्वचा को लंबे समय तक मॉइश्चराइज करता है। इस टोनर के रेगुलर से त्वचा की सेल्स की ऑक्सीजन सोखने की क्षमता 40 फीसदी बढ़ जाती है, जिससे आपका फेस ग्लो करता है। यह फेस टोनर राइस और सेरामाइड मॉइश्चराइजर से भरपूर होता है।

त्वचा के लिए एलोवेरा या मलाई क्या सबसे बेहतर क्या है? जानें एक्सपर्ट की राय

अपनी त्वचा की देखभाल के लिए मलाई या एलोवेरा चुनने से पहले, आपको इन प्राकृतिक चीजों के व्यक्तिगत लाभों के बारे में पता होना चाहिए। एलोवेरा चेहरा पर लगाने से क्या होता है और मलाई चेहरे पर लगाने से क्या होता है। एलोवेरा और मलाई हमारे घरों में सबसे आसानी से उपलब्ध होने वाले दो पदार्थ हैं जो हमारी त्वचा का इलाज कर सकते हैं। अगर आप के पास त्वचा देखभाल के लिए समय नहीं है? तो आप इन बातों को ध्यान में रखकर आप भी बेदाग त्वचा पा सकते हैं। होममेड टिप्स के माध्यम से त्वचा देखभाल और स्वस्थ लाइफस्टाइल विकल्प आपकी त्वचा की मरम्मत कर सकते हैं, प्राकृतिक उम्र बढ़ने को धीमा करने में मदद कर सकते हैं और विभिन्न प्रकार की त्वचा समस्याओं से बच सकते हैं। एलोवेरा और मलाई हमारे घरों में सबसे आसानी से उपलब्ध होने वाले दो पदार्थ हैं जो हमारी त्वचा का इलाज कर सकते हैं। नियमित या साप्ताहिक आधार पर इन उत्पादों को हमारे चेहरे की त्वचा पर लगाने से सनबर्न, मुंहासे और एक्जिमा जैसी त्वचा की समस्याओं के इलाज में मदद मिल सकती है। आइए जानते हैं एलोवेरा या मलाई क्या फायदेमंद है। इसमें विटामिन ई, ए, सी और बी 12 के साथ–साथ एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो त्वचा की चोटों और घावों से होने वाले दर्द, सूजन और खराश से राहत दिलाने में मदद करते हैं और साथ ही कोलेजन के विकास को भी बढ़ावा देते हैं। एलोवेरा का एंटीऑक्सीडेंट कार्य हमारी त्वचा को सूरज की क्षति और विकिरण से बचाता है, साथ ही उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी धीमा करता है। इसकी उच्च जल सामग्री त्वचा को हाइड्रेट और मॉइस्चराइज करने में सहायता करती है।स्किन पर मलाई लगाने के फायदे मलाई सिर्फ सफेद या पीले रंग की जमा हुई क्रीम है। इसे शुद्ध और गैर–होमोजेनाइज्ड दूध को 180 डिग्री सेल्सियस पर उबालकर तैयार किया जाता है। क्रीम के ठंडा होने के बाद, उबलने की प्रक्रिया के ऊपर प्रोटीन और वसा की एक जमा हुई परत बन जाती है ।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का ट्रेलर आउट, राजकुमार-तृप्ति ने लगाया रोमांस के साथ कामेडी का तड़का

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग कॉमेडी ड्रामा विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है. ट्रेलर काफी मजेदार है और कॉमेडी से भरपूर है. फिल्म में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी लीड रोल में हैं उनके साथ ही मल्लिका शेरावत, विजय राज, मस्त अली जैसे कलाकार सपोर्टिंग रोल में हैं. इनके अलावा शहनाज गिल और दलेर मेहंदी का गाने में स्पेशल अपीयरेंस है.ट्रेलर की शुरूआत में विक्की और विद्या अपनी का इंटीमेट वीडियो बनाते हैं और इसे रिकॉर्ड करते हैं लेकिन इसकी सीडी प्लेयर कहीं चोरी हो जाती है. इसी को खोजने की जद्दोजहद में मेकर्स ने गजब का कॉमेडी का तड़का लगाया है जिसमें विजय राज एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में हैं जो मल्लिका शेरावत के प्यार में पड़ जाता है. हाल ही में मेकर्स ने इसका अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया था जो काफी दिलचस्प था. इस दिलचस्प टीजर में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी टीवी जर्नलिस्ट की भूमिका में नजर आ रहे हैं और अपनी फिल्म के कलाकारों और क्रू को पेश करने के लिए एक शो होस्ट कर रहे हैं. इस टीजर को दर्शकों ने खूब पसंद किया. फिल्म टी-सीरीज, बालाजी टेलीफिल्म्स, वाकाओ फिल्म्स और थिंकिंग पिक्चर्स का ज्वाइंट वेंचर है. यह फिल्म 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. बता दें कि यह आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर जिगरा से टकराएगी, जो उसी दिन सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो राजकुमार पिछली बार मिस्टर एंड मिसेज माही में जाह्नवी कपूर के साथ नजर आए थे.

वहीं उनकी अकपमिंग फिल्मों में विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और मालिक है. दूसरी ओर तृप्ति की पिछली फिल्म बैड न्यूज थी जिसमें उनके साथ विक्की कौशल और एमी विर्क थे.

युद्रा का लेटेस्ट ट्रैक हट जा बाजू रिलीज, दिखा सिद्धांत चतुर्वेदी और राघव जुयाल के धमाकेदार डांस मूव्स

एक्सेल एंटरटेनमेंट युद्रा के साथ एक थ्रिलिंग एंटरटेनमेंट देने के लिए तैयार है. दो एक्शन से भरपूर ट्रेलर, एक रोमांटिक सॉन्ग साथिया और एक हाई-एनर्जी पार्टी सॉन्ग सोहनी लगदी रिलीज करने के बाद, उन्होंने अब अपना लेटेस्ट ट्रैक हट जा बाजू को रिलीज कर दिया है. सिद्धांत चतुर्वेदी और राघव जुयाल पर फिल्माए गए इस स्टाइलिश ट्रैक में दोनों स्टार्स को जबरदस्त और स्टाइल के साथ एक-दूसरे से मुकाबला करते हुए दिखाया गया है.

जब सिद्धांत चतुर्वेदी, मालविका मोहनन और राघव जुयाल ने पुणे के एक कॉलेज इवेंट में हट जा बाजू लॉन्च किया, तब फिल्म और गाने को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया. ये ट्रैक ना सिर्फ राघव जुयाल के 4 साल बाद डांस में वापसी को मार्क करता है, बल्कि उनके जबरदस्त मूव्स को सिद्धांत के साथ शोकेस भी करता है. ये एक लाइवली और स्टाइलिश सॉन्ग है, जिसमें बहुत सारा ग्रूव है और जो दोनों स्टार्स के बीच की जबरदस्त केमिस्ट्री को हाईलाइट करता है.हट्ट जा बाजू में केली डिलीमा, विशाल ददलानी और अर्श मोहम्मद ने अपनी दमदार आवाज दी है, जबकि गीतकार मशहूर जावेद अख्तर हैं. इसे शंकर-एहसान-लॉय ने कंपोज किया है और पीयूष-शाजिया ने कोरियोग्राफ किया है. यह गाना फिल्म के लिए लोगों का उत्साह बढ़ाने वाला है. एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा प्रोड्यूस, युद्रा 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. फिल्म में गजराज राव, राम कपूर, राज अर्जुन और राघव जुयाल जैसे शानदार कलाकार हैं, जो एक यादगार सिनेमाई अनुभव का वादा करते हैं.

मीना कुमारी की बायोपिक कमाल-मीना का टीजर आउट, दिग्गज एक्ट्रेस की लव स्टोरी का खुलेगा राज

हिंदी सिनेमा की दिग्गज और खूबसूरत एक्ट्रेस मे से एक मीना कुमारी के बारे में कौन नहीं जानता. मीना कुमारी जितनी सुंदर थीं, उससे कई ज्यादा उनके अभिनय में खूबसूरती नजर आती थी, जिन सिनेप्रेमियों को मीना कुमारी के बारे में जानकारी नहीं है, उनके लिए एक गुडन्यूज है. दरअसल, हिंदी सिनेमा का आइकॉनिंग सॉन्ग चलते-चलते (पाकीजा) फेम एक्ट्रेस मीना कुमारी की बायोपिक का टीजर रिलीज हो गया है. इस मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर को संजय दत्त ने भी शेयर किया है. मीना कुमारी का बायोपिक लंबे समय से चर्चा हो रही थी.

संजय दत्त ने मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर को शेयर कर लिखा है, डियर साची और बिलाल, नए वेंचर के लिए ऑल द बेस्ट, भगवान करे यह सुपरहिट हो, संजय मामू की तरफ से हमेशा प्यार बना रहेगा, यह मस्ट वॉच फिल्म है.

मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर की बात करें तो इसमें मीना कुमारी और उनके पति कमाल अमरोही की लव स्टोरी के पल दिख रहे हैं. कमाल अमरोही फिल्म डायरेक्टर और स्क्रीनराइटर थे. उनका असली नाम सैय्यद आमिर हैदर कमल नकवी था और उनका स्क्रीन नाम कमाल अमरोही था.वहीं, सारेगामा ने भी अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर मीना कुमारी का बायोपिक कमाल-मीना का टीजर शेयर किया है. उन्होंने लिखा है, एक सपना जो खत्म होने से डरा नहीं, एक ऐसा प्यार जो सीमाओं से परे गया. इस फिल्म को सिद्धार्थ मल्होत्रा, बिलाल अमरोही बना रहे हैं. फिल्म में इरशाद कामिल ने गाने लिखे हैं. इन गानों के एआर रहमान ने अपना मधुर संगीत दिया है.बता दें, मीना कुमारी को हिंदी सिनेमा में सुपरस्टार दिलीप कुमार की तरह एक टैग मिला हुआ था. दिलीप कुमार ट्रेजेडी किंग तो मीना कुमारी ट्रेजेडी क्वीन माना जाता था. कहा जाता है कि घर की मजबूरियों के चलते पढ़ाई ना कर सकीं मीना कुमारी को ना चाहते हुए भी हिंदी सिनेमा का दामन थामना पड़ा था. मीना का जन्म 1 अगस्त 1933 को मुंबई के दादर में हुआ था और वहीं 31 मार्च 1972 को महज 39 साल की उम्र में लीवर खराब होने से उनकी मौत हो गई.

येलो और रेड साड़ी पहन भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने गिराई हुस्न की बिजली, कातिल अदाएं देखकर दिल हारे फैंस

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से फैंस के बीच कहर बरपाती रहती हैं। उनका बोल्ड अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही खूबसूरत तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने गणपति उत्सव की कुछ बेहद खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका खूबसूरत और ग्लैमरस लुक देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

मोनालिसा ने गणेश भगवान जी की पूजा के दौरान बेहद ही सुंदर येलो और रेड कलर की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।कानों में गोल्ड के इयररिंग्स और गले में नेकलेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते रहते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने लिखा है– आउटस्टैंडिंग। दूसरे यूजर ने लिखा है कोई इतना खूबसूरत कैसे हो सकता है। तीसरे यूजर ने लिखा है ब्यूटिफुल क्वीन मैम।

आलिया भट् ने फिर से साथ क्यों नहीं किया काम ? अब 8 साल बाद दोनों सितारों ने किया बड़ा ऐलान

दिलजीत दोसांझ और आलिया भट्ट को एक साथ आठ साल पहले फिल्म उड़ता पंजाब के गाने श्एक कुड़ीश में साथ देखा गया था। अब लंबे समय बाद दोनों एक बार फिर से साथ आ रहे हैं। आलिया भट्ट एक शानदार एक्ट्रेस हैं वहीं दिलजीत की बात करें तो वह एक बेहतरीन सिंगर के साथ साथ बेहतरीन एक्टर भी हैं। दिलजीत दोसांझ और आलिया भट्ट को एक साथ आठ साल पहले फिल्म उड़ता पंजाब के गाने श्एक कुड़ीश में साथ देखा गया था। अब लंबे समय बाद दोनों एक बार फिर से साथ आ रहे हैं। आलिया भट्ट एक शानदार एक्ट्रेस हैं वहीं दिलजीत की बात करें तो वह एक बेहतरीन सिंगर के साथ साथ बेहतरीन एक्टर भी हैं।

भुवन बाम की ताजा खबर 2 का ट्रेलर जारी, जावेद जाफरी से भिड़ते दिखेंगे अभिनेता

कॉमेडियन और अभिनेता भुवन बाम की वेब सीरीज ताजा खबर को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। यह सीरीज बीते साल 5 जनवरी को डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी।अब दर्शक ताजा खबर के दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म हो जाएगा।दरअसल, ताजा खबर 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिस पर दर्शक खूब प्यार लुटा रहे हैं।नए सीजन में भुवन की भिड़ंत जावेद जाफरी से होने वाली है।भुवन बाम ने दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनसे मिले प्यार से वह काफी उत्साहित महसूस करते हैं। उन्होंने इस सीजन का इंतजार करने को लेकर दर्शकों का आश्वस्त करते हुए कहा कि उनका इंतजार सफल साबित होगा। भुवन ने कहा, सीजन 2 की शूटिंग भावनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण रही है और मैं खुद को वास्या की आंखों में देख सकता था। इस सीजन में मेरे किरदार का ग्राफ बढ़ता है। अभिनेता ने आगे कहा कि उन्हें दिग्गज अभिनेता जावेद जाफरी के साथ काम करन में काफी मजा आया।ताजा खबर 2 की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। इस सीरीज का प्रीमियर 27 सितंबर, 2024 से डिज्नी हॉटस्टार पर होने जा रहा है।इसमें भुवन और जावेद के अलावा श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, प्रथमेश परब, नित्या माथुर, देवेन भोजनी और शिल्पा शुक्ला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।ताजा खबर 2 का निर्देशन हिमांक गौड़ ने किया है। भुवन ने इसका निर्माण रोहित राज के साथ मिलकर किया है। कहानी हुसैन और अब्बास दलाल ने लिखी है।जावेद जाफरी ने अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें जब इस किरदार की पेशकश की गई, तो वह काफी उत्साहित हो गए। उन्होंने कहा कि उन्हें नई भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना पसंद आता है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा,यूसुफ काफी शक्तिशाली और उग्र स्वभाव वाला है। उसके किरदार में कई परत हैं, जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया है। भुवन बाम जैसे प्रभावशाली, मेहनती और युवा कलाकार के साथ काम करना अविश्वसनीय है, जो हर समय भावुक और दृढ़ रहे हैं। ताजा खबर मेरे लिए रचनात्मक रूप से काफी संतोषजनक अनुभव रहा है और दर्शकों को वास्या और यूसुफ के मुकाबले का मजा लेने को मिलेगा।सीरीज में वस्या की पत्नी के किरदार में नजर आईं श्रेया पिलगांवकर ने अपने किरदार को बहुत खास बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें मिले प्यार के लिए वह बहुत आभारी हैं। उन्होंने कहा उनका किरदार मधु, साहस और शक्ति का प्रतीक है, जो सीजन 2 में अपना हक वापस आने फिर से आती है। उन्होंने कहा,मधु ने मुझे प्रेरित किया है और मुझे उम्मीद है कि उसके गुणों ने कई अन्य महिलाओं के दिलों को छुआ होगा जो आज के दिन और उम्र में बाधाओं के बावजूद अपना नाम बनाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वह इस नए सीजन के लिए एक बार फिर से काफी उत्साहित हैं।

बाक्स आफिस पर स्त्री 2 की पकड़ चौथे सप्ताह में भी बरकरार, 28वें दिन भी किया करोड़ों में कारोबार

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर श्स्त्री 2य को सिनेमाघरों में धूम मचाते हुए एक महीना पूरा होने वाला है लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस से हटने का नाम नहीं ले रही है. फिल्म ने इस दौरान अपनी लागत से कई गुना ज्यादा कमाई कर ली है और ये रिलीज के चौथे हफ्ते में भी करोड़ों में कारोबार कर रही है. अमर कौशिक निर्देशित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड भी बना चुकी है और तमाम फिल्मों का गुरूर भी तोड़ चुकी है. इसी के साथ चलिए यहां जानते हैं श्स्त्री 2य ने रिलीज के 28वें दिन यानी चौथे बुधवार को कितनी कमाई की है?श्स्त्री 2य ना थकेगी ना रुकेगी... दरअसल फिल्म की कमाई की रफ्तार देखकर तो यही लग रहा है. ये फिल्म चार हफ्तों से बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है. इस बीच कितनी ही बड़े स्टार कास्ट की फिल्में आई और चली भी गई लेकिन मजाल है कि श्स्त्री 2य का बॉक्स ऑफिस पर से सिंहासन कोई हिला सका हो. धुआंधार कमाई करते हुए ये ना केवल साल 2024 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बन चुकी है बल्कि दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुकी है. अब बस इसका टारगेट हिंदी में 600 करोड़ के नए क्लब की शुरुआत करना लग रहा है.वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श द्वारा शेयर किए दए आंकड़ों के मुताबिक श्स्त्री 2य ने फर्स्ट वीक में 307.80 करोड़, सेकंड वीक में 145.80 करोड़ और थर्ड वीक में 72.83 करोड़ की कमाई की. वहीं चौथे शुक्रवार फिल्म ने 4.84 करोड़, चौथे शनिवार 8.77 करोड़, चौथे रविवार 11.40 करोड़, चौथे सोमवार 3.60 करोड़ और चौथे मंगलवार 3.20 करोड़ का कलेक्शन किया इसी के साथ श्स्त्री 2य के 27 दिनों की कुल कमाई 558.24 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं अब फिल्म के 28वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्स्त्री 2य ने रिलीज के 28वें दिन 3 करोड़ का कारोबार किया है. इसी के साथ श्स्त्री 2य की 28 दिनों की कुल कमाई अब 561.24 करोड़ रुपये हो गई है. श्स्त्री 2 की कमाई वाकई हैरान कर देने वाली है. 50 करोड़ की लागत से बनी ये फिल्म रिलीज के 28 दिनों में 560 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर चुकी है. अब ये शाहरुख खान की श्जवान्य के हिंदी वर्जन में लाइफटाइम कलेक्शन (584 करोड़) का रिकॉर्ड ब्रेक करने से कुछ ही करोड़ दूर रह गई है. इस माइल स्टोन को पार करते ही श्स्त्री 2य सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन जाएगी. वैसे बता दे कि श्जवान्य का बाकी भाषाओं की कमाई को मिलाकर लाइफटाइम कलेक्शन (643.87) है. अब देखने वाली बात होगी कि क्या श्स्त्री 2य पांचवें वीकेंड पर जवान्य के हिंदी वर्जन में लाइफटाइम कलेक्शन को मात दे पाती है या नहीं.

घरेलू बाक्स आफिस पर 200 करोड़ की ओर थलापति विजय की गोट, हफ्तेभर में हुआ 170.75 करोड़ का कलेक्शन

थलापति विजय की एक्शन थ्रिलर फिल्म गोट (द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) ने बॉक्स ऑफिस पर एक हफ्ता पूरा कर लिया है. फिल्म गोट बीती 5 सितंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज हुई थी. फिल्म गोट ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, लेकिन कुछ ही अंतर से इंडिया में 200 करोड़ रुपये कमाने से चूक गई है. गोट ने अपने पहले हफ्ते में कितना कलेक्शन किया है और फिल्म ने सातवें दिन कितनी कमाई की है . आइए जानते हैं.

बता दें, गोट ने वर्ल्डवाइड 126 करोड़ रुपये से खाता खोला था. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने 7वें दिन इंडिया में 8 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. गोट का यह अब का सबसे कम दैनिक कलेक्शन है, वहीं, वीकेंड पर फिल्म की कमाई में तेजी आ सकती है. गोट का कुल घरेलू नेट कलेक्शन 170.75 करोड़ रुपये का हो गया है.वहीं,गोट ने अपने घर तमिलनाडू में अभी भी कब्जा जमाया हुआ है. तमिलनाडू में फिल्म का ऑक्यपेंसी रेट 27.80 फीसदी दर्ज हुआ है. इवनिंग शो में 37.86 फीसदी और नाइट शो में 30.99 फीसदी ऑक्यूपेंसी शेयर रेट है. बत दें, फिल्म अब भारत में 200 करोड़ रुपये के आंकड़े की ओर बढ़ रही है.विजय की फिल्म को वेंट प्रभु ने डायरेक्ट किया है. फिल्म 380 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट में बनी है. फिल्म में विजय के साथ प्रशांत और प्रभुदेवा जैसे एक्टर भी हैं.

बालीवुड में डेब्यू करते ही स्टार बन गईं रूहानी शर्मा

बॉलीवुड में कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जो एंट्री करते ही रातोंरात स्टार बन गई थीं. अब उसी लिस्ट में अनुष्का शर्मा की बहन रुहानी शर्मा भी शामिल हो गई हैं.

बॉलीवुड में एक्ट्रेस रूहानी शर्मा ने फिल्म आगरा से डेब्यू किया है. फिल्म ऑनलाइन लीक हो गई है जिसमें से एक्ट्रेस के इंटीमेट सीन्स का वीडियो वायरल हो रहा है.

रूहानी शर्मा बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा की कजिन हैं. उनका जन्म हिमाचल प्रदेश के सोलन में हुआ है. पंजाब यूनिवर्सिटी से अपनी ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख दिया था.

रूहानी ने कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में काम किया. उसके बाद उन्होंने तमिल फिल्मों से एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू किया. तमिल के बाद तेलुगू में भी रूहानी डेब्यू कर चुकी हैं. दोनों ही इंडस्ट्री में रूहानी की एक्टिंग को लेकर खूब तारीफ हुई है.

उसके बाद रूहानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आगरा मूवी से डेब्यू किया. इस फिल्म में मोहित अग्रवाल, प्रियंका बोस, रूहानी शर्मा, विभा चिब्बर और सोनल झा अहम किरदार निभाती नजर आईं हैं. फिल्म

बालीवुड से है खास कनेक्शन एनटीआर और जरनवी कपूर की जबरदस्त केमिस्ट्री के अलावा भी दर्शकों के लिए बाकी है कई सरप्राइज

तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की बहुप्रतीक्षित एक्शन ड्रामा फिल्म देवरारू पार्ट 1 वैश्विक घटना पर प्रभाव डालने के लिए पूरी तरह तैयार है। 27 सितंबर को दुनिया भर में सिल्वर स्क्रीन पर आने वाली यह फिल्म, अमेरिका के लॉस एंजिल्स में प्रतिष्ठित बियॉन्ड फेस्ट 2024 में प्रीमियर होगी। जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की देवरारू पार्ट 1 की एक झलक ने ही फैंस को दीवाना कर दिया था। फिल्म को लेकर इस वक्त फैंस काफी ज्यादा एक्साइडिट है। वह आरआरआर के बाद से ही जूनियर एनटीआर की वापसी का भी इंतजार कर रहे हैं। फिलहाल जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की देवरा रिलीज के लिए तैयार है। तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की बहुप्रतीक्षित एक्शन ड्रामा फिल्म देवरारू पार्ट 1 वैश्विक घटना पर प्रभाव डालने के लिए पूरी तरह तैयार है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 07 नवंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया गया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी द्वारा आयुष्मान आरोग्य मन्दिर वनियाडीह, विकास खण्ड लोटन का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी से आरोग्य मन्दिर में होने वाली जांचों एवं टीकाकरण के बारे में पूछा गया जिलाधिकारी को अवगत कराया कि केन्द्र पर सभी मशीने उपलब्ध है गर्भवती महिलाओं की 05 प्रकार की जांच की जाती है जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी जांच का 05–05 किट होना चाहिए जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि आज 02 गर्भवती महिलाओ का जांच किया गया है जिलाधिकारी द्वारा गर्भवती महिला खुशबू से वार्ता किया गया ए.एन.एम., आशा व आंगनबाड़ी द्वारा सही काम न करने के कारण जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया इसके साथ ही सुपरवाइज विजय प्रकाश पाण्डेय को भी स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया जिलाधिकारी द्वारा ड्यू लिस्ट

को देखा गया ड्यू लिस्ट अपडेट नही था जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी।

साधन सहकारी समिति का किया गया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

मुख्य विकास अधिकारी, जयेन्द्र कुमार द्वारा विकास खण्ड खुनियांव के ग्राम पंचायत धनगढ़वा में साधन सहकारी समिति, गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय स्टॉक रजिस्टर के अनुसार यूरिया, डी0ए0पी0 का सत्यापन किया गया दुकान पर रेट लिस्ट नहीं लगाया गया है सचिव की तत्काल रेट लिस्ट लिखने के निर्देश दिया गया स्टॉक रजिस्टर एवं विक्रय ई–पॉस मशीन के अनुसार यूरिया डी0ए0पी0 पाया गया स यूरिया जमा हुआ पाया गया किसान का मोबाइल नम्बर अंकित किया जा रहा है 03 किसान से मोबाइल पर वार्ता कर बिक्री का सत्यापन किया गया सचिव को निर्देशित किया गया कि सभी किसान का मोबाइल नम्बर सही अंकित किया जाय।

प्राथमिक विद्यालय का मुख्य विकास अधिकारी ने किया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकास खण्ड खुनियांव के ग्राम पंचायत धनगढ़वा में प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान शिक्षक गण एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति पंजिका को देखा गया नामाकंन 103 के सापेक्ष मात्र 54 बच्चें उपस्थित पाये गये प्रधानाध्यापक एवं अध्यापक को निर्देशित किया गया कि बच्चो की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभिभावक से वार्तालाप करें तथा नियमित रूप से ग्राम में भ्रमण करें स विद्यालय में एम.डी. एम. में बनाया गया, परंतु सैंपल नहीं रखा गया है रसोइए को एप्रन एवम हेड कैप का प्रयोग करने के निर्देश दिया गया स प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया कि जिन बच्चो के अभिभावक के खाते में ड्रेस, किताब, जूता मोजा आदि क्रय करने हेतु धनराशि प्रेषित किया गया है, ऐसे अभिभावको को जागरूक करते हुए क्रय कराये जाने हेतु निर्देश दिया गया निपुण के सम्बन्ध में शिक्षकगण से वार्तालाप किया गया विद्यालय में कायाकल्प का ठीक ढंग से कार्य कराया गया है ।

फसल बीमा के अंतर्गत किसान के खेत मे जिलाधिकारी ने कराया क्राप कटिंग

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

तहसील नौगढ़, विकास खण्ड उसका बाजार, ग्राम पंचायत विनयका में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत मौसम खरीफ 2024–25 के अन्तर्गत जिलाधिकारी की उपस्थिति में क्राप कटिंग कराया गया धान की फसल का 43.3 वर्गमीटर एरिया की क्राप कटिंग कराया गया जिसमें 21.800 किग्रा0 धान निकला जो कि 50.36 कु0 प्रति हेक्टेयर का औसत रहा जिलाधिकारी ने किसानों से कहा कि आप लोग अधिक से अधिक फसलों का प्रधानमंत्री फसल बीमा कराये क्राप कटिंग से क्षेत्र की उत्पादकता का

आकलन किया जाता है धान के उत्पादन का औसत अच्छा है इस अवसर पर तहसीलदार नौगढ़, अपर सांख्यिकी अधिकारी दीपक कुमार, बीमा कम्पनी के समन्वयक इरफान अहमद, अनुराग सिंह आदि उपस्थित थे।

रैबिज इंजेक्शन लगवाने के 50 रुपए वसूले, बोले करो शिकायत नहीं पड़ता फर्क, वायरल हुआ वीडियों

मीरजापुर(आरएनएस)। सरकार भले ही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और भ्रष्टाचार मुक्त शासन–प्रशासन की परिकल्पना को साकार करने की बातें करें, लेकिन कुछ सरकारी मुलाजिम मानों सरकार की मंशा पर पानी फेरते हुए वह अपनी ही मनमर्जी और हुकूम चलाएं हुए हैं. ऐसा ही एक ताजा मामला उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के अति पिछड़े इलाके मड़िहान तहसील क्षेत्र के न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोपलपुर का सामने आया है. जहां का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक व्यक्ति से रैबिज इंजेक्शन के ऐवज में पचास रुपए लिए जाने का आरोप लगाया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक मड़िहान तहसील क्षेत्र के हिनौता गांव निवासी धर्मेंद्र अपने पुत्र को कुत्ता काटने पर रैबिज इंजेक्शन लगवाने मंगलवार को न्यू पीएचसी गोपालपुर गये हुए थे. जहां 50 रुपये लेने के बाद इंजेक्शन लगाया गया.आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग की टीम के आगे वह (पीड़ित का पिता) गिड़गिड़ाता रहा, लेकिन उनकी एक भी नहीं सुनी। हालांकि मामला संज्ञान में आने पर तथा पीड़ित की शिकायत पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है. दूसरी ओर इस प्रकरण का वीडियो वायरल होने के बाद उक्त स्वास्थ्य केंद्र पर हड़कंप मचा हुआ है. बचाव के लिए पीड़ित परिवार को मनाने व आगे न जाने की मान–मनौव्वल की जा रही है। आश्चर्य की बात है कि इस मामले को लेकर जब कुछ प्रबुद्धजनों ने इसका विरोध करते हुए रैबिज इंजेक्शन का मुफ्त होना बताया तो बड़े ही निडरतापूर्वक मौके पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दलील दी गई है कि यह पैसा हम नहीं स्टोर्स वाला पैसा लेता है, जहां से यह आता है. उच्चाधिकारियों से शिकायत किए जाने पर वह कहते सुने जा रहें हैं कि कोई बात नहीं किसी से भी शिकायत करिए जाकर जो हो रहा है वह होता रहेगा. इस मामले से संबंधित एक वाइस रिकार्ड भी वायरल हो रहा है जो मड़िहान के गोपालपुर पीएचसी के वार्ड बॉय का बताया जा रहा है उसमें वह मीडिया के लोगों पर तोहमत मढ़ते हुए सुनाई दे रहे हैं. गौरतलब हो कि मिर्जापुर का मड़िहान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और इलाके के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अपनी व्यवस्थाओं से कहीं ज्यादा मनमानी अराजकता और अव्यवस्थाओं को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं. पूर्व में मड़िहान स्वास्थ्य केंद्र में एक स्थानीय पत्रकार के पिटाई का भी मामला सामने आया था जिसका वीडियो वायरल होने के बाद पत्रकारों ने आक्रोशित होकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया था. इसी प्रकार कई अन्य मामले भी सामने आएं हैं जो स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और मनमानी को बताने के लिए काफी रहें हैं।

मलाईदार कुर्सी पर बैठे नपा के बाबू की बादशाहत के आगे बौना साबित हो रहे हैं कायदे–कानून

मीरजापुर(आरएनएस)। नगर पालिका के निर्माण विभाग में एक ऐसे भी बाबू है जो विगत कई वर्षों से मलाईदार कुर्सी पर कुंडली मारकर बैठे हुए हैं। यह ठेका पट्टा बांटने से लेकर खुलेआम कमीशन बटोरने तक में संलिप्त बताएं जातें है। हद तो यह है कि अब तो यह ठेकेदार संघ का अध्यक्ष बनवाने और हटवाने तक का भी ठेका लेने लगे हैं। अपने चहेतों ठेकेदारों को बिना विभागीय कागजी कार्रवाई पूरा किए ही उनकी फाइल (टेंडर) को पूर्ण करा देने में भी आगे बताएं जा रहें हैं। चर्चित बाबू श्पालश जी बताए जाते हैं। इनके पूरे कार्यकाल की जांच के लिए मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी के यहां जांच की मांग उठाने की तैयारी है।

लोकगीत गीतिका पद्म विभूषण शारदा सिन्हा के निधन पर विंध्य क्षेत्र में शोक, साहित्यिक लोगों ने दी श्रद्धांजलि

मीरजापुर(आरएनएस)। लोकगीतों की ख्यातिलब्ध गायिका स्वर कोकिला पद्म विभूषण शारदा सिन्हा के निधन से आहत जनपद मीरजापुर के साहित्यकारों ने शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा ने शारदा सिन्हा के निधन को लोक जीवन की अपूरणीय क्षति बताया। साहित्यकार गणेश गंभीर ने कहा कि छठ मईया के गीतों की अनन्य लोक गायिका शारदा सिन्हा छठ पर्व पर ही प्रयाण कर गयीं, यह दैवीय कृपा ही है। साहित्यकार लल्लू तिवारी ने कहा कि हिन्दी, मगही, भोजपुरी और मैथिली की विश्व प्रसिद्ध गायिका श्रीमती सिन्हा के निधन से हम सभी आहत हैं।

जिले के विकास खंडों में वित्तीय अनियमितता को तोड़कर हो रहे भुगतान

खेसरहा,मिठवल,बढ़नी,उसका,लोटन,बर्डपुर,बांसी विकास खंडों में जमकर हो रहे व्यक्तिगत खातों में भुगतान

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

प्रदेश जब से भाजपा की सरकार बनी और प्रदेश की कमान योगी आदित्यनाथ के हाथों में आई तब से उनका एक ही दावा रहा कि प्रदेश को भर्ष्टाचार मुक्त करना है लेकिन उनका ये दावा धरातल पर नाकाम साबित हो रहा है लोग कितना भी इस बात का दावा कर ले कि योगी के हाथ मे कमान आने के बाद अधिकारी अपना काम ईमानदारी से कर रहे है तो उनके इस दावे को विभागीय अधिकारी और कर्मचारी ठेंगा दिखाकर भ्रष्टाचार को और बढ़ावा दे रहे है कहते है कि नियम कानून बनने से पहले उनको तोड़ने के रास्ते पहले ही बन जाते है अगर भ्रष्टाचार को लेकर किसी अधिकारी से शिकायत की जाए तो जांच करने के लिए अधिकारियों द्वारा कोई नया नियम तैयार कर लिया जाता है और अगर उसका पालन नही किया गया तो जांच के नाम पर पत्रावली और शिकायतकर्ता चक्कर काटते रहते है नतीजा शून्य जिले के कई विकास खंडों में प्रधानों और सचिवों द्वारा वित्तीय अनियमितता करते हुए भुगतान कर दिए गए लेकिन जिम्मेदारों द्वारा कभी इस तरफ ध्यान नही दिया गया ऐसे भुगतान पर अंकुश लगाना तो दूर की बात है उल्टा ऐसे भुगतान को बढ़ावा देने का कार्य किया गया। मजे की बात तो ये है कि जब शिकायतकर्ता मजबूती से खड़ा होकर भर्ष्टाचार की लड़ाई लड़ते है तब अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करने उनकी मजबूरी बन जाती है जिले के बर्डपुर,खेसरहा,मिठवल,बढ़नी,शोहरतगढ़ लोटन,उसका जैसे ब्लॉकों में ग्राम पंचायतों में निकलने वाले निविदा,टेंडरों का भुगतान फर्मो में न करते हुए व्यक्तिगत खाते में किया जा रहा है ये खेल वर्षो से चला आ रहा है लेकिन कोई भी संज्ञान लेने को तैयार नही है बढ़नी विकास खंड में ऐसे कई ग्राम पंचायतें है जहां बिना कार्य करवाये ही जिम्मेदार भुगतान कर देते है। ऐसा ही एक मामला विकास खंड बढ़नी के ग्राम सभा तौलिहवा का भी है जहाँ कई प्रोजेक्ट पर बिना कार्य करवाये ही भुगतान कर दिया गया जिसकी शिकायत ग्राम सभा के ही एक व्यक्ति रफीक द्वारा शिकायती पत्र नोटरी के साथ जिलाधिकारी को दिया गया जिसमें मुख्य विकास अधिकारी को जांच के लिए आदेशित किया गया रफीक द्वारा दिये गए शिकायती पत्र में ग्राम सभा मे एक ऐसे कार्य का भुगतान प्रधान के खाते में किया गया जिस पर किसी कार्य का नाम नही बल्कि वा लिखा है विकास खंड के कई ग्राम सभाओं में इस तरह का भुगतान किया गया है जो लाखो में है लेकिन किस मद में है ये नही पता सबसे बड़ी बात ये भुगतान ग्राम प्रधान के खाते में किया गया जो नियमतः गलत है मामले का पता जांच के बाद ही सामने आयेगी।

सूचना के अधिकार की जमकर धज्जियां उड़ा रहे जिले के अधिकारी और कर्मचारी

जन सूचना अधिकारी मनमाने तरीके से सूचना देने हेतु शुल्क की कर रहे मांग।

सूचना का अधिकार के तहत शुल्क जमा करवाने के बाद भी नहीं दी जाती सूचना।

विकास खंड लोटन में शुल्क लेने के एक साल बाद भी अपीलार्थी को सचिव ने नही दी सूचना।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिले में जन सूचना अधिकार के नियमो और उनके निर्देशो की जन सूचना,प्रथम अपीलीय अधिकारियों द्वारा जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही है सूचना के अधिकार की जानकारी न होते हुए भी ऐसे ऐसे नियम निकाल कर अपीलार्थियों को गुमराह किया जाता है जैसे उनके अलावा सूचना के अधिकार के बारे में कोई नही जानता जिले के उच्च अधिकारियों द्वारा भी सूचना का अधिकार नियम का पालन नही किया जाता जन सूचना अधिकारियों को प्रथम अपीलीय अधिकारी के आदेश को भी दरकिनार कर अपनी मनमानी किया जाता है जिले के विभागों में बैठे उच्च पद के अधिकारी सूचना के नियमो का मजाक तो उड़ाते ही है लेकिन नियमो को लेकर सबसे ग्राम पंचायत के सचिव खुद को ज्यादा बुद्धिमान समझते है जिले में ऐसे भी सचिव है जो मांगी गई बिंदु को पढ़ना भी जरूरी नही समझते है और अपीलार्थी से मनमाना शुल्क सूचना देने के लिए मांग कर लेते है जिले में ऐसे भी जन सूचना अधिकारी है जो अपीलार्थियों से अपने लाभ के लिए सूचना देने के लिए शुल्क जमा करवा लेते है और सूचना देते ही नही उन्हें किसी भी बात का भय नही उनके लिए कोई नियम कानून मायने नही रखती जिले में बिना सोचे समझे बिना नियम कानून को जाने शुल्क जमा करवाने में खेसरहा विकास खंड के सचिव सबसे आगे है वही विकास खंड लोटन में भी एक सचिव ने सूचना देने के लिए अपीलार्थी से ग्राम पंचायत के खाते में शुल्क जमा करवा लिया एक साल का समय खत्म होने के बाद भी अपीलार्थी को सूचना नही मिली। मजे की बात तो ये है जिले वरिष्ठ एवं उच्च अधिकारी विकास खंडों का निरीक्षण करने जाते है उनके द्वारा पत्रावलियों, कार्यवाही, और अन्य कार्यो के रजिस्टर की जांच की जाती है लेकिन उनको कोई कमी दिखाई नही देती जन सूचना और आई जी आर एस के कई मामले बिना किसी सूचना

के निस्तारित हो जाते है उच्च अधिकारियों की गलत कार्यशैली से कर्मचारीयो के हौसले बुलंद हो रहे है कर्मचारीयो द्वारा किये गए

गलत कार्यो और भुगतान को छिपाने के लिए ऐसे जांच का कोटा पूरा हो रहा है।

जिलाधिकारी ने खाद्य विभाग द्वारा संचालित मण्डी समिति में धान क्रय केन्द्र का फीता काटकर किया शुभारम्भ

मीरजापुर(आरएनएस)। जनपद में कृषकों के धानए मक्काए बाजरा के सुविधानुसार क्रय करने के लिए मण्डी समिति मीरजापुर में खाद्य विभाग द्वारा संचालित धान क्रय केन्द्र का जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा क्रय केन्द्र पर अपने धान को विक्रय करने के लिए लाए प्रथम कृषक को पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। उद्घाटन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा किसानों धान बेचने हेतु रजिस्ट्रेशन हेतु प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि रजिस्ट्रेशन हेतु सभी क्रय केन्द्र प्रभारियों को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ल की अध्यक्षता में बैठक कराकर प्रशिक्षित भी किया जाए ताकि केन्द्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। उन्होंने धान नपी मापक यंत्रए पंखाए बोराए कांटा आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर आरएफसी ने जिलाधिकारी को जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में कुल 99 क्रय क्रेन्द्र स्थापित किए गए हैं जिनमें से खाद्य विभाग के 32, पीसीएफ के 20 एपीसीयू के 25, यूपीएसएस के 19 ए मण्डी समिति का 1 एवं भारतीय खाद्य के द्वारा 2 केन्द्र बनाए गए हैं। उन्होंने समर्थन मूल्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ग्रेड धान 2320 रूपये प्रति कुन्तलए साधारण धान 2300 रूपये प्रति कुन्तल एवं मक्का 2225 रूपया प्रति कुन्तल, बाजरा 2625 रूपया प्रति कुन्तल हैं। उन्होंने बताया कि सभी केन्द्रो पर किसानों के लिए बैठने के साथ ही पेयजल आदि की व्यवस्था भी कराई गई हैं सभी केन्द्र प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि किसानों के फसलों की खरीद पूरी पारदर्शिता के साथ की जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्लए आरएफसी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, सचिव मण्डी समिति के अलावा अन्य सम्बन्धित लोग उपस्थित रहें।

मार–पीट में पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

लालगंज, मीरजापुर(आरएनएस)। थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत अलग–अलग गांव में रेही गांव निवासिनी सास एव बहू के बीच हुए मारपीट एवं हरदी मिश्र निवासी दो लोगों के बीच हुए मारपीट में चौकी इलाका लहंगपुर पुलिस द्वारा दोनों गांव के आरोपी को गिरफ्तार कर संबंधित धारा में पाबंद करते हुए न्यायालय भेजा गया। जानकारी के अनुसार रेही गांव निवासिनी गेंदा देवी स्त्री मुरारी शर्मा व उनकी बहू रीना स्त्री शंभू शर्मा के बीच विवाद हो गया विवाद मारपीट में बदल गया। इसी क्रम में हर्दी मिश्र गांव निवासी मुन्नू पुत्र चोरई व शिव शंकर पुत्र नन्हकू के बीच जमीनी विवाद को लेकर मारपीट हो गई ग्रामीणों की सूचना के आधार पर लहगपुर चौकी इंचार्ज के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर दोनों गांव की अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए मेडिकल कराकर धारा 170ध्135ध्126 के तहत मुकदमा कायम करते हुए न्यायालय भेजा गया।

जिलाधिकारी ने कराई धान की फसल की क्राप कटिंग

मीरजापुर(आरएनएस)। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा आज जनपद में धान की उत्पादकता को परखने के दृष्टिगत तहसील सदर अन्तर्गत राजस्व ग्राम हरिहरपुर में धान के फसल की क्राप कटिंग स्वंय अपने सामने सम्पादित कराई गई। कृषक विद्याकान्त पुत्र श्री तुलसी के खेत में क्राप कटिंग के दौरान सीसीसीई प्लाट फील्ड क्राप का क्षेत्रफल 43.3 वर्ग मीटर में क्राप कटिंग कराकर वजन को परखा गया जिसमें कुल 24.37 किलोग्राम उत्पादन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर नायाब तहसीलदार पहाड़ी राहुल मिश्रा, अपर सांख्यिकी अधिकारी, राजस्व निरीक्षक देवरी व क्षेत्रीय लेखपाल तथा बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहें।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

मीरजापुर(आरएनएस)। जिले के अदलहाट थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव के सामने बुधवार को सुबह मालगाड़ी ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत हो गयी। रेलवे के मेमो के आधार पर मौके पर पहुंचे पुलिस चौकी नरायनपुर इंचार्ज जयदीप सिंह ने बताया कि अदलहाट थाना क्षेत्र के सोनई ग्राम निवासी अशोक कुमार सिंह (56) पुत्र लालमन अपने मामा से मिलने परषोधा बाजार जा रहे थे। प्रतापपुर गांव के सामने रेलवे ट्रैक पार करते समय डाउन लाइन पर आ रही मालगाड़ी ट्रेन की चपेट में आ गये। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की जानकारी होते ही परिजन मौके पर पहुंच गये। मृतक के एकलौते पुत्र अभिषेक सिंह ने बताया पिता को न्यूरोलॉजी सम्बंधित समस्या थी जिसका इलाज चल रहा था। खेती किसानी से ही परिवार का भरण पोषण करते थे। नरायनपुर पुलिस आवश्यक कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए चुनार को भेज दिया। घटना के बाद पूरे गांव मे मातम छा गया। परिजनों का रो–रोकर बुराहाल हो गया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।